● जयपुर, गुरुवार, 22 अगस्त 24 ● वर्ष 14 ● अंक 7 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार
''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ के निर्देशन में जयपुर पुलिस कमिश्नरेट...
पेज @4 आमजन के सहयोग से राजस्थान में भारत बंद शांतिपूर्ण रहा : डीजीपी साहू...
पेज @8 किसानों को संतुष्ट कर नींदड आवासीय योजना का निस्तारण ...

किसानों को संतुष्ट कर नींदड आवासीय योजना का निस्तारण करें : उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर, 21 अगस्त। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा की उपस्थिति में जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम ग्रेटर जयपुर, सार्वजनिक निर्माण विभाग, रीको, एनएचएआई तथा अन्य विभागों को साझा योजना बनाकर समस्याओं के समाधान एवं नए प्रोजेक्टस के समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए।

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नींदड आवासीय योजना के काश्तकारों एवं अन्य हितधारकों को संतुष्ट करके इससे सम्बंधित प्रकरणों का जल्द से जल्द निस्तारण किया जाए। उन्होंने विद्याधर नगर क्षेत्र विशेषकर सीकर रोड पर महाराजा शेखा सर्किल से ट्राईटन मॉल की तरफ, खातीपुरा रोड, 14 नं. तथा रीको एरिया से ही अन्य स्थानों पर होने वाले जलभराव के समाधान हेतु विस्तृत योजना बनाकर उसे तत्काल लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जेडीए क्षेत्र में आने वाली सभी कॉलोनियों में नई सड़क बनाने से पहले नालियां एवं सुचारू ड्रेनेज सिस्टम विकसित किया जाएं ताकि जलभराव की समस्या नहीं हो। उन्होंने कहा कि जहां जलभराव की समस्या रहती है उन स्थानों पर सीसी सड़क का निर्माण किया जाए ताकि बार–बार सड़क टूटने की समस्या नहीं आए।

उप मुख्यमंत्री ने अल्का सिनेमा के सामने, विद्याधर नगर स्टेडियम के सामने वाली रोड, वार्ड नं. 23 के पुराने बस स्टेण्ड सहित सभी सेक्टर रोडों पर से बिना किसी भेदभाव के अतिक्रमण हटवाने के निर्देश निगम एवं जेडीए के अधिकारियों को दिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण के दौरान पुरानी सड़क पर लेयर चढ़ाने के स्थान पर लेयर को हटाकर सड़क बनाई जाए ताकि सड़क किनारे के मकानों एवं प्रतिष्ठानों में जलभराव की समस्या न हो। उन्होंने विद्याधर नगर क्षेत्र की 55 हजार स्ट्रीट लाईटस् को सुचारू रखने के निर्देश निगम आयुक्त को दिए।

रीको एसटीपी बनाए

उन्होंने रीको अधिकारियों को निर्देश दिए कि रीको क्षेत्र का पानी सीकर रोड पर नहीं आना चाहिए इसके लिए उचित व्यवस्था करें। इसके साथ ही उन्होंने रीको क्षेत्र में तत्काल एसटीपी बनवाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। उप मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में प्रस्तावित सेटेलाईट अस्पताल के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया को यथाशीघ्र पूरा कर काम शुरू करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने किसी भी प्रकार की जलभराव की तात्कालिक समस्या के समाधान के क्षेत्र में अतिरिक्त मडपम्प, ट्रेक्टर, जेसीबी व अन्य उपकरण अधिक संख्या में उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने निगम आयुक्त को क्षेत्र के पार्कों में झूले एवं ओपन जिम लगवाने, आवारा पशुओं को पकड़वाने, श्मशानों की चारदीवारी व कुर्सी आदि की सुविधा विकसित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने एनएचएआई एवं पीडब्लूडी के अधिकारियों को क्षेत्र में चल रहे कामों को शीघ्र पूरा करवाने के निर्देश दिए। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इन सभी कामों को प्राथमिकता से पूरा करवाने तथा इस संबंध में फॉलोअप रिपोर्ट हर 15 दिन में उपमुख्यमंत्री एवं उन्हें उपलब्ध करवाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव पीडब्लूडी प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव यूडीएच टी रविकांत, जेडीए आयुक्त मंजू राजपाल, नगर निगम ग्रेटर जयपुर आयुक्त श्रीमती रूकमणी रियार सहित आला अधिकारी उपस्थित रहे।

राजनाथ सिंह की अमेरिका यात्रा से रणनीतिक साझेदारी को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली/एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अमेरिका की आधिकारिक यात्रा करेंगे। उनकी यह यात्रा भारत-अमेरिका रक्षा संबंध को लेकर काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

माना जा रहा है कि इस यात्रा से भारत व अमेरिका की वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूती मिलेगी।

इससे पहले राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री के साथ एक अहम मुलाकात की थी। बुधवार को अमेरिका यात्रा के विषय में आधिकारिक जानकारी देते हुए रक्षा मंत्रालय ने बताया कि राजनाथ सिंह 23 से 26 अगस्त तक अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। राजनाथ सिंह की यह यात्रा अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के निमंत्रण पर हो रही है। 23 अगस्त को अमेरिका पहुंचने के बाद वे यहां अपने अमेरिकी समकक्ष व अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। राजनाथ सिंह यहां राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के सहायक जेक सुलिवन से भी वार्ता करेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि राजनाथ सिंह अमेरिका में रक्षा उद्योगों पर भी चर्चा करेंगे। अमेरिका में मौजूदा और भविष्य के रक्षा सहयोग के बारे में रक्षा उद्योग के साथ एक उच्च स्तरीय गोलमेज बैठक आयोजित की जानी है। इस गोलमेज बैठक की अध्यक्षता भी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ही करेंगे। अमेरिका की अपनी इस यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात और बातचीत करेंगे।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, राजनाथ सिंह की यह यात्रा भारत और अमेरिका के संबंधों, विभिन्न स्तरों पर रक्षा संबंधों में लगातार हो रही प्रगति की पृष्ठभूमि में हो रही है। भारत का मानना है की रक्षा मंत्री की यह अमेरिकी यात्रा काफी महत्वपूर्ण है। इस यात्रा से भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी मजबूत होगी। साथ ही भारत और अमेरिका की साझेदारी और अधिक व्यापक होने की उम्मीद है।

भाजपा प्रत्याशी रवनीत सिंह बिट्टू ने भरा नामांकन, डमी उम्मीदवार के तौर पर सुनील कोठारी ने भी भरा नामांकन

चमकता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान से राज्यसभा उपचुनाव के लिए बुधवार को भाजपा प्रत्याशी रवनीत सिंह बिट्टू ने नामांकन भरा। सीएम भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम दिया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा और संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल मौजूद थे। गुरुवार को नामांकन पत्रों की जांच होगी। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह की राज्यसभा उपचुनाव में जीत तय है क्योंकि कांग्रेस ने उपचुनाव में प्रत्याशी नहीं उतारा है। कांग्रेस के उम्मीदवार नहीं उतरने से बिट्टू की जीत तय मानी जा सकती है. वहीं, बिट्टू के नामांकन दाखिल करने से पहले बैठक हुई, जिसमें राज्यसभा उम्मीवार रवनीत सिंह बिट्टू, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल सहित मंत्रिमंडल के सदस्य मौजूद रहे. बिट्टू के नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा सहित मंत्रिमंडल के सदस्य और विधायक प्रस्तावक और अनुमोदक बने, वहीं एहतियात के तौर पर डमी उम्मीदवार के रूप में भाजपा के पूर्व शहर अध्यक्ष सुनील कोठारी ने भी नामांकन भरा

भारत निर्वाचन आयोग की और से प्रदेश में रिक्त हुई एक राज्यसभा सीट के लिए जारी चुनाव कार्यक्रम अनुसार बुधवार को नामांकन की आखिरी तारीख के दिन बीजेपी के उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल किया. अब 27 अगस्त तक नामांकन वापस ले सकेंगे. हालांकि, कांग्रेस की ओर से राज्यसभा उम्मीवार नहीं उतारने की स्थिति में इसी दिन बीजेपी प्रत्याशी की जीत की घोषणा सम्भव है.बता दें कि राजस्थान में राज्यसभा की कुल 10 सीटें हैं. इनमें से 5 कांग्रेस के पास और 4 भाजपा के पास हैं. एक सीट खाली है, इसी पर चुनाव होना है, यह सीट भी भाजपा के खाते में जाती है तो दोनों पार्टियों के पास 5-5 सीटें हो जाएंगी. इस चुनाव के बाद सीधे जून 2026 में दो सीटें खाली होंगी, इसमें एक सीट कांग्रेस और एक भाजपा के खाते में चली जाएगी. राजस्थान से मौजूद राज्यसभा सांसदों को देखें तो बीजेपी से राजेंद्र गहलोत, घनश्याम तिवाड़ी, चुन्नीलाल गरासिया, मदन राठौड़ हैं, जबकि कांग्रेस के खाते में देखें तो सोनिया गांधी, नीरज डांगी, रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुकुल वासनिक, प्रमोद कुमार राज्यसभा सांसद हैं.

अटल भूजल योजना से राजस्थान जल के क्षेत्र में बनेगा आत्मनिर्भर

सरकार के प्रयास से अटल भूजल योजना में राजस्थान सातवें से अब तीसरे स्थान पर : भूजल मंत्री कन्हैयालाल

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। भूजल मंत्री कन्हैया लाल ने कहा कि विषम भौगोलिक परिस्थिति और भूजल की अत्यधिक कमी से जूझ रहा प्रदेश अटल भूजल योजना से जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की वं ओर अग्रसर है। किसी भी राज्य की अर्थव्यवस्था और विकास जल की उपलब्धता पर निर्भर करता है। नवीन उद्योगों की स्थापना भी जल की उपलब्धता वाले राज्यों में अधिक होती है। ? उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की भूजल को लेकर नवीन नीतियों और कार्यों का ही परिणाम है कि अटल भूजल योजना में अब हमारा प्रदेश सातवें स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है। भूजल मंत्री बुधवार को अटल भूजल योजना के अंतर्गत राज्य कार्यक्रम - प्रबंधन इकाई जयपुर द्वारा राज्य कृषि अनुसंधान केंद्र दुर्गापुरा में आयोजित एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कन्हैयालाल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर 25 दिसंबर 2019 को प्रारंभ की गई अटल भूजल योजना वर्तमान में प्रदेश के 17 जिलों में संचालित है। पूर्व प्रधानमंत्री का नदियों को आपस में जोड़ने का सपना राजस्थान के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने कहा कि सिंचाई की ड्रिप, स्प्रिंकलर आदि तकनीकों के माध्यम से पानी बचाया जा सकता है, साथ ही वर्षा जल को बचाने के लिए बेहतर प्रयास होने चाहिए, उपयुक्त स्थानों पर रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाए जाएं। भूजल मंत्री ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में पानी की सर्वाधिक कमी है। इस बार प्रदेश में अच्छी बारिश हुई, लेकिन वर्षा जल संचय के पर्याप्त प्रयास न होने से अधिकांश वर्षा जल व्यर्थ बह गया। उन्होंने कहा कि हमें वर्षा जल बचाने के सघन एवं सामूहिक प्रयास करने होंगे। भूजल का कम दोहन और अधिक रिचार्ज पर ध्यान देना होगा।

भूजल विभाग के शासन सचिव डॉ समित शर्मा ने कहा कि प्रदेश के ग्राउंड वाटर लेवल की स्थिति का आकलन किया जाता है तो देश में सर्वाधिक विकट स्थिति राजस्थान की पाई जाती है इसलिए आने वाले समय में भूजल स्तर को सुधारना है। उन्होंने कहा कि अटल भूजल योजना का मुख्य उद्देश्य ही सामुदायिक सहभागिता से चिन्हित क्षेत्रों में गिरते भूजल स्तर की रोकथाम हेतु आमजन में जल के प्रति व्यवहार परिवर्तन किया जाना है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत मार्च 2025 तक सभी कार्य पूर्ण करने हैं। साथ ही इस योजना को पूरे देश में तीसरे स्थान से प्रथम स्थान पर लाना है। इसके लिए भरसक प्रयास करने की आवश्यकता है।

मदरसों पर मोहन सरकार की पहल अच्छी, पर परिणाम इच्छा के अनुरूप नहीं आएंगे!

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रदेश के बच्चों के अच्छे भविष्य को लेकर कितने अधिक चिंतित हैं, यह उनके मदरसा शिक्षा पर लिए गए निर्णय से एक बार फिर सामने आया है। उन्होंने उन तमाम मदरसों को चेताया है जो कि नियमों को नहीं मानते हैं। ऐसे सभी मदरसों के संबंध में सीएम मोहन यादव की सख्त हिदायत है, या तो नियमों से चलो, नहीं तो सभी सरकारी अनुदान रोक दिए जाएंगे। वस्तुतः देश भर के मदरसों की तरह ही मध्य प्रदेश में भी यह देखने में लगातार आ रहा था कि यहां गैर इस्लामिक बच्चों को बड़ी संख्या में दीनी तालीम दी जा रही है, जो कि एक तरह से अप्रत्यक्ष रूप से उनका माइंडवॉश किए जाने का योजनापूर्ण षड्यंत्र है। जिसमें कि एक समय के बाद उसे अपने मूल मत, पंथ, धर्म से घृणा हो जाए और वह इस्लाम को ही सबसे श्रेष्ठ समझने लगे।

इस पूरी प्रक्रिया में बच्चों के हितों का कोई संरक्षण नहीं किया जा रहा था, ऐसे में मुख्यमंत्री यादव ने आगे होकर जो यह पहल की है, वह स्तुत्य है। उन्होंने अब साफ तौर पर कह दिया है कि स्कूल शिक्षा विभाग संविधान के आर्टिकल 28(3) का अनुपालन सुनिश्चित करेगा और छात्रों को उनके निर्धारित मत, पंथ के अलावा अन्य रिलीजन की जबरन शिक्षा देने वाले संस्थानों पर रोक लगाएगा। वैसे भी संविधान का अनुच्छेद 28 कहता भी यही है कि सरकारी शैक्षिक संस्थानों में कोई धार्मिक निर्देश नहीं दिया जाएगा। किसी को डरा-धमका या लालच देकर धर्म परिवर्तन नहीं करा सकते, लेकिन यहां तो मदरसों में बचपन में ही सोचने की प्रक्रिया बदल दी जाती है। जिसका एक समय के बाद परिणाम अधिकांश बार मतान्तरण (धर्मांतरण) के रूप में ही सामने आता है। इस संबंध में याद आता है, अभी हाल ही में धर्मांतरण को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की। हाई कोर्ट ने कहा कि भारतीय संविधान किसी को धर्म अपनाने, उसमें आस्था जताने और प्रचार करने की अनुमति देता है, लेकिन यह लालच व दबाव बनाकर धर्म परिवर्तन कराने की अनुमति नहीं देता। कोर्ट ने यह भी कहा है कि धर्मांतरण कराना एक गंभीर अपराध है, जिस पर सख्ती की जानी चाहिए। इस संदर्भ में हमने पूर्व में भी मप्र में देखा जब शिवराज सरकार के दौरान मतान्तरण से जुड़े कानून में संशोधन किया गया। दिसंबर, 2020 में शिवराज सिंह कैबिनेट ने 'मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता विधेयक 2020' को मंजूरी दी।

इस विधेयक में शादी या धोखाधड़ी से कराया गया धर्मांतरण भी अपराध माना गया, जिसके लिए अधिकतम 10 साल की कैद और एक लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान तय किया गया। किंतु उसके बाद भी देखने में यही आया है कि न तो धर्मांतरण (मतान्तरण) के मामलों में कमी आई, ना हीं लवजिहाद जैसे अपराध कम हुए। यह बहुत विचारणीय है कि आखिर इसका कारण क्या हो सकता है? इस बारे में वास्तव में जब गहराई से चिंतन करते हैं, तो ध्यान में आता है कि प्रत्येक मुस्लिम परिवार में 'दीनी तालीम' अनिवार्य की गई है। अपने मजहब की 'दीनी तालीम' दिए जाने पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है, पर प्रश्न यह है कि इस दीनी तालीम और मदरसा शिक्षा की आड़ में बच्चों को पढ़ाया क्या जा रहा है? बच्चा किन पुस्तकों को पढ़ रहा है? मदरसा में मौलवियों द्वारा बच्चों के मन में क्या भरा जा रहा है? कहना होगा कि अभी इसे देखने एवं जांचने का कोई यंत्र सरकारी सिस्टम नहीं बना है। मजहबी शिक्षा के नाम पर क्या हम अपने बच्चों को गैर मुसलमानों के प्रति नफरत से तो नहीं भर रहे? यह देखना जहां प्रत्येक परिवार के समझदार सदस्यों का काम है तो वहीं बच्चे राज्य की आधारशिला और जिम्मेदारी होने से यह सरकार का काम भी है कि वह उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराए, यदि कहीं इसमें कोई बाधा है तो उसे तत्काल प्रभाव से दूर करे। मध्य प्रदेश में अब भले ही राज्य सरकार ने हाल ही में अधिकारियों को सरकारी अनुदान प्राप्त करने वाले मदरसों में नामांकित छात्रों की साख वेरीफिकेशन करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि माता-पिता या अभिभावकों की सहमति के बिना उन्हें दूसरे मत, पंथ की शिक्षा न दी जाए।

राज्य सरकार ने मामले में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सिफारिशों को भी मान्य कर लिया हो, फिर भी कहना यही होगा कि समस्या आगे भी वहीं की वहीं रहने वाली है। क्योंकि इसके मूल पर, समस्या की जड़ पर काम नहीं हो रहा है। यहां समझनेवाली बात है कि आखिर मूल समस्या है क्या? तो मूल समस्या है इन मदरसों में 'दीनी तालीम' के नाम पर गैर मुसलमानों के प्रति नफरतभरी भावना, तमाम भ्रमित, असत्य जानकारियों के माध्यम से भर देना। इस संबंध में किसी को साक्ष्य देखने हैं तो मदरसों में पढ़ाए जा रहे मौलवियों के उपलब्ध वीडियो एवं जो बच्चों ने समय-समय पर मीडिया को बताया है, वह सभी ई-दस्तावेज, प्रकाशित सामग्री साक्ष्य के तौर पर देख सकते हैं, यह सभी पर्याप्त मात्रा में मौजूद हैं। वस्तुतः जिन्हें देखकर यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि कैसे नन्हें-मुन्नों के दिमाग में गैर मुसलमानों के प्रति एक सतत प्रक्रिया के तहत नकारात्मक भाव भरने का कार्य निरंतर जारी है। अब जब मप्र सरकार की मंशा अच्छी है और वह राज्य के बच्चों के भविष्य को लेकर अति संवेदनशील है तो ऐसे में उससे कहना यही है कि वह इस समस्या की जड़ पर काम करे। सिर्फ मान्यता प्राप्त मदरसों में पाई जानेवाली अनियमितताओं पर उसकी मान्यता रद्द करने से काम नहीं चलेगा या उन्हें मिलनेवाले शासन के अनुदान को रोकदेने से काम नहीं बननेवाला है। वस्तुतः सरकार को चाहिए कि वह प्रदेश के प्रत्येक मदरसा को चिह्नित करे। उनकी मैपिंग कर वहां पढ़ाए जानेवाले पाठ्यक्रम का निर्धारन करे। बीच-बीच में गैर मुसलमान विद्वानों को इन बच्चों के बीच नियमित तौर पर पढ़ाने के लिए भेजा जाए। यदि दीनी तालीम ही पढ़ाई जा रही है तो सिर्फ यह बताना कि अल्ला ही श्रेष्ठ है अन्य दूसरा कोई नहीं, जो अल्ला को नहीं मानता वह काफिर है और काफिर जलाए जाएंगे, मारे जाएंगे। जब तक इस तरह की पढ़ाई पर पूरी तरह से रोक नहीं लगेगी, जब तक बच्चों को यह नहीं बताया जाएगा कि ईश्वर एक है, उसे मानने के तरीके अलग-अलग हैं, कोई किसी भी रास्ते को अपनाए आखिर वह ईश्वर तक पहुंचता है। वस्तुतः बच्चों के मन में यह भाव भरने की कमी जब तक हमारी रहेगी, कहना यही होगा कि खूब नेक-नीयत मध्य प्रदेश सरकार की हो, फिर भी डॉ. मोहन यादव सरकार के इस मामले में लिए गए निर्णय परिणामकारी सिद्ध नहीं होनेवाले हैं।

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिंताजनक

ललित गर्ग

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खैफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। राजस्थान के उदयपुर के स्कूल में दो छात्रों के आपसी विवाद में चाकू मारने से एक छात्र की मौत भी बच्चों में पनप रहे इसी हिंसक बर्ताव का घिनौना एवं घातक रूप है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर गंभीर काम किया जाए। उदयपुर की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। तहकीकात स्कूल की व्यवस्थाओं की भी होनी चाहिए कि आखिर बच्चा स्कूल में हथियार लेकर कैसे आ गया? इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। उम्र के इस पड़ाव पर उनको सही राह दिखाने की जिमेदारी परिजन और शिक्षक की ही होती है। आज दोनों ही कहीं न कहीं अपनी जिमेदारी से दूर होते नजर आ रहे हैं। स्कूल में केवल किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। वहीं अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा।

'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वच्छन्द हो जाते हैं। 'मूड ठीक नहीं' की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दुःख। ऐसी स्थिति में बच्चे अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। शिक्षकों और परिजनों से संवादहीनता के चलते बच्चों ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को संवाद का जरिया बना लिया है। कई बार टी.वी. पर हिंसक कार्यक्रम देखने आदि से बच्चों में हिंसक व्यवहार बढ़ जाता है। घर में लगातार बंदूकें, चाकू आदि देखते रहने से भी बच्चों का व्यवहार हिंसक हो जाता है। वैसे भी अगर बच्चों को किसी भी बात के लिए मना नहीं करेंगें, टोकेंगें नहीं तो उन्हें अच्छे-बुरे की पहचान कैसे होगी। एक ऑनलाइन सर्वे में माता-पिता ने कहा था कि बच्चों को गलत काम की सजा भी मिलनी चाहिए, वरना उनके मन में किसी भी बात के लिए डर नहीं रहेगा और हो सकता है वे ऐसे अपराधों को भी अंजाम देने लगें, जिनके परिणामों के बारे में उन्हें पता नहीं।

स्कूली बच्चों में पिछले कुछ समय से हिंसक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जो समाज के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। मनोविज्ञानी यह मानते हैं कि मोबाइल पर पबजी जैसे खतरनाक गेम और वेब सीरिज बच्चों को हिंसक बना रही है। लेकिन, इसके पीछे न सिर्फ स्कूल का वातावरण, बल्कि लाड-प्यार में अंधे अभिभावकों का रवैया भी कम जिम्मेदार नहीं है। बच्चों में हिंसक व्यवहार के संकेत, जैसे गलत भाषा का प्रयोग करना, समझाने पर भी गुस्सा करना, कोई भी बात समझाने पर चीजें फैंकने लगना, मां-बाप को ही मारने दौडना, लोगों के बारे में गलत बोलना, गलत आदतों में पडना, भाई-बहन के लिए स्नेह न रखना, लड़ाकू प्रवृत्ति का होना, हमेशा उदास रहना, संवेदनहीन और चिड़चिड़े रहना, बार-बार जोश में आना आपको नजर आ सकते हैं। एकल परिवारों में माता-पिता इतने व्यस्त होते हैं कि उनके पास बच्चों से बात करने का ज्यादा समय नहीं होता। वे अक्सर इस बात पर भी नजर नहीं रख पाते कि बच्चे क्या कर रहे हैं, क्या खेल रहे हैं, उनके दोस्त कौन-कौन से हैं। दोस्त उन्हें चिढ़ाते भी हैं कि अरे! तुम्हारे माता-पिता कैसे हैं, जो तुम्हें ऑनलाइन खेल भी नहीं खेलने देते। इससे बच्चों में हीनता और अपने घर वालों के प्रति नफरत का भाव पैदा होता है, जो अपराध के रूप में बाहर निकलता है। फिजिकल, ओरल या सैक्सुअल रूप में गलत व्यवहार, घरेलू वातावरण न मिलना, माता-पिता द्वारा बच्चों की अनदेखी, दर्दनाक घटना होने या फिर स्ट्रैस होना, बच्चों को धमकाना, फैमिली प्रॉब्लम, नशीली चीजों का सेवन, शराब और अन्य गलत चीजों के सेवन से बच्चों में आक्रामकता बढ़ सकती है और वे हिंसक हो सकते हैं। ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। घर में बच्चों के लिए स्वस्थ, सुरक्षित, और प्रेमपूर्ण वातावरण बनाने के साथ अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। स्कूलों में काउंसलर और मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता की व्यवस्था होनी चाहिए, जो बच्चों की मानसिक समस्याओं को समझें और उनका समाधान कर सकें। सबसे बड़ी बात यह कि शिक्षकों को बच्चों के आचरण और उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए प्रशिक्षण देना होगा। ऐसा करने पर वे बच्चों के चाल-चलन की बारीकी से निगरानी कर सकेंगे। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी इतनी सहम गयी है कि गलत धारणाओं को मिटाने के लिये इस तरह की विकृत सोच एवं तथाकथित विकास से जुड़े शत्रु को पीठ के पीछे नहीं, सामने रखना होगा। सोचना होगा कि खुशहाली का पैमाना सिर्फ आर्थिक सम्पन्नता, शक्ति एवं सत्ता नहीं हो सकता। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी से रंजिश के चलते उस पर गोली चलाते देखे गये हैं।

सरकारी नौकरियों में लेटरल एंट्री पर हंगामा गलत

आरके सिन्हा

केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में अहम पदों को संभालने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल ही में लेटरल एंट्री या कहें कि पार्श्व प्रवेश के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए एक विज्ञापन अखबारों में निकलवाया था। इसी को लेकर देशभर में गैर-जरूरी हंगामा खड़ा हो गया या निहित स्वार्थ से भरे लोगों द्वारा खड़ा कर दिया गया था। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार में लेटरल एंट्री पर रोक लगा दी गई है। यूपीएससी से कहा गया है कि वो लेटरल एंट्री से नियुक्ति न करे। कार्मिक विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन प्रीति सूदन को पत्र लिखकर कहा है कि इस नीति को लागू करने में सामाजिक न्याय और आरक्षण का ध्यान रखा जाना चाहिए।

बात बस इतनी सी थी कि संघ लोक सेवा आयोग ने एक विज्ञापन जारी कर कहा था कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में वरिष्ठ पदों पर काम करने के लिए "प्रतिभाशाली भारतीय नागरिकों" की तलाश है। इन पदों में 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के शामिल हैं, जिनमें कुल 45 पदों पर भर्ती होनी है। इस विज्ञापन के छपने के बाद कांग्रेस के नेता राहुल गांधी सबसे ज्यादा हंगामा काट रहे थे। कह रहे थे कि केन्द्र सरकार सरकारी विभागों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों को भर्ती करना चाहती है। हालांकि हमेशा की तरह राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए किसी तरह के प्रमाण देने की जरूरत तक नहीं महसूस नहीं की। वे वैसे भी राहुल गांधी हवाई बातें-दावे करने में माहिर हैं। काश, राहुल गांधी को यह पता तो होगा ही कि देश के दस सालों तक प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह को देश का वित्त सचिव तक लेटरल एंट्री के माध्यम से ही बनाया गया था। वह तो तब तक तो वे दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ा रहे थे। इसी तरह से मंटेक सिंह आहलूवालिया को भी कांग्रेस सरकार ने ही योजना आयोग का चेयरमेन बना दिया था। उनकी नियुक्ति भी उसी तरह से हुई थी जिस तरह से डॉ. मनमोहन सिंह की खुद की हुई थी। इसलिए यह कहना सरासर गलत है कि मौजूदा सरकार कुछ विभागों के लिए बाहरी अभ्यर्थियों को नौकरी देकर गलत कर रही है।

ना जाने क्यों यूपीएससी के इस कदम ने नौकरशाही में लेटरल एंट्री पर बहस छेड़ दी। राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ नेता कह रहे थे कि यूपीएससी की भर्ती की यह प्रक्रिया "पीछे के दरवाजे से भर्ती" है। इसे अंग्रेजी में बैक एंट्री भी कहा जा रहा है। अब कांग्रेस के नेताओं से यह तो पूछा ही पूछा जाना चाहिए कि सैम पित्रोदा और रघुरामन राजन कौन थे? उन्हें किस आधार पर सरकार में लेटरल एंट्री के तहत ऊंचे पदों पर नौकरी दी गई थी ?

अब जान लेते हैं कि लेटरल एंट्री होता क्या है? दरअसल नौकरशाही में लेटरल एंट्री का मतलब है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) जैसे पारंपरिक सरकारी सेवा कैडर के बाहर के व्यक्तियों को सरकारी विभागों में मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पदों पर उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर भर्ती करना। इससे पहले लेटरल एंट्री के जरिए 2018 में पहली बार रिक्तियों की घोषणा की गई थी। लेटरल एंट्री करने वाले व्यक्तियों को आमतौर पर तीन से पांच साल के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है, जिसमें प्रदर्शन और सरकार की आवशयकताओं के आधार पर विस्तार की संभावना होती है। इन व्यक्तियों से ऐसी विशेषज्ञता लाने की उम्मीद की जाती है जो शासन और नीति कार्यान्वयन में जटिल चुनौतियों का समाधान करने में मदद कर सके।

यूपीएससी के हालिया विज्ञापन से साफ था कि उसे तीन स्तरों पर योग्य उम्मीदवारों की तलाश थी- संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव। इन पदों पर तैनात अफसर अक्सर विभागों के भीतर विशिष्ट विंगों के प्रशासनिक प्रमुख या उनके सहायक के रूप में कार्य करते हैं और प्रमुख निर्णय लेने वाले होते हैं। लेटरल एंट्री के पीछे सरकार का तर्क यह रहा है कि नई प्रतिभा लाना और प्रशासन में कुशल जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाना।

आप गौर करें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जब बोलते हैं, वे तब सरकार को सदैव कोसते ही रहते हैं। लोकतंत्र में सदा स्वस्थ्य वाद-विवाद और सार्थक संवाद जारी रहना चाहिए। हमेशा ही बेवजह विवाद नहीं खड़े करने चाहिए। खरगे कह रहे हैं कि लेटरल एंट्री से सरकारी नौकरियों में हाशिये पर रहने वाले समुदायों को नुकसान होगा। राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को भी लेटरल एंट्री पर आपत्ति है। अब इन ज्ञानी नेताओं को कोई बताए कि लेटरल एंट्री का विचार तो सर्वप्रथम कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान ही विकसित किया गया था। लेटरल एंट्री पर महाभारत करने वालों को पता होना चाहिए कि यूपीएससी की भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी है। इसलिए इस मसले पर विवाद खड़ा करने का कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसा करने वाले संवैधानिक संस्थानों पर आघात कर रहे हैं। दरअसल यह तो कहना पड़ेगा देश में सियासत के संसार का माहौल बहुत विषाक्त हो चुका है। सरकार के हरेक कदम का विपक्ष माखौल उड़ाता रहता है या उसमें कमियां निकालने की कोशिश करता रहता है। अगर यही रणनीति विपक्ष अपनाता रहा तो सरकार अपना कोई काम कर ही नहीं सकेगी। यकीन मानिए कि विपक्ष से यह कोई नहीं कह रहा है कि वह सरकार को उसकी किसी जनविरोधी नीतियों पर न घेरे। अवशय घेरे और उसकी जितनी चाहे निंदा करे। पर विपक्ष को सरकार के फैसलों की सोच-समझकर ही आलोचना करनी चाहिए। अगर उसने यह न किया तो उसकी जनता के बीच छवि तार-तार हो जाएगी और वह एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने से वंचित हो जाएगा।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

आलोचकों की परवाह न कर अपनी राह चलते हैं प्रधानमंत्री

प्रो. संजय द्विवेदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में कुछ तो खास है कि वे अपने विरोधियों के निशाने पर ही रहते हैं। इसका खास कारण है कि वे अपनी विचारधारा को लेकर स्पष्ट हैं और लीपापोती, समझौते की राजनीति उन्हें नहीं आती। राष्ट्रहित में वे किसी के साथ भी चल सकते हैं, समन्वय बना सकते हैं, किंतु विचारधारा से समझौता उन्हें स्वीकार नहीं है। उनकी वैचारिकी भारतबोध, हिंदुत्व के समावेशी विचारों और भारत को सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की अवधारणा से प्रेरित है। यह गजब है कि पार्टी के भीतर अपने आलोचकों पर भी उन्होंने कभी अनुशासन की गाज नहीं गिरने दी, यह अलग बात है कि उनके आलोचक राजनेता ऊबकर पार्टी छोड़ चले जाएं। उन्हें विरोधियों को नजरंदाज करने और आलोचनाओं पर ध्यान न देने में महारत हासिल है। इसके उलट पार्टी से नाराज होकर गए अनेक लोगों को दल में वापस लाकर उन्हें सम्मान देने के अनेक उदाहरणों से मोदी चकित भी करते हैं।

किसी व्यक्ति की लोकतांत्रिकता उसकी अपने दल के साथियों से किए जा रहे व्यवहार से आंकी जाती है। मोदी यहां चौंकाते हुए नजर आते हैं। वे दल के सर्वोच्च नेता हैं किंतु उनका व्यवहार 'आलाकमान' सरीखा नहीं है। आप उन्हें तानाशाह भले कहें, किंतु तटस्थ विश्लेषण से पता चलता है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद आजतक उनकी आलोचना करने वाले अपने किसी साथी के विरूद्ध उन्होंने कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होने दी। कल्पना करें कि किसी अन्य दल में अपने आलाकमान या सर्वोच्च नेता की आलोचना करने वाला व्यक्ति कितनी देर तक अपनी पार्टी में रह सकता है। नरेन्द्र मोदी यहां भी रिकार्ड बनाते हैं, जबकि भाजपा में अनुशासन को लेकर कड़ी कारवाई होती रही हैं। भाजपा और जनसंघ के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलराज मधोक से लेकर कल्याण सिंह, उमा भारती, बाबूलाल मरांडी, बीएस येदुरप्पा जैसे दिग्गजों पर कार्रवाई हुई है, तो गोविंदाचार्य पर भी एक कथित बयान को लेकर गाज गिरी। उन्हें अध्ययन अवकाश पर भेजा गया, जहां से आजतक उनकी वापसी नहीं हो सकी है। मोदी का ट्रैक अलग है। वे आलोचनाओं से घबराते नहीं और पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की छूट देते हुए अपने आलोचकों को भरपूर अवसर देते हैं।

यह कहा जा सकता है कि मोदी आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं, इसलिए इसकी बहुत परवाह नहीं करते हैं। वे कहते भी रहे हैं कि उनके निंदक जो पत्थर उनकी ओर फेंकते हैं, उससे वे अपने लिए सीढ़ियां तैयार कर लेते हैं। 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद पार्टी के भीतर भी उनके आलोचकों और निंदकों की पूरी फौज सामने आती है, जो तमाम मुद्दों पर उन्हें घेरती रही है। आश्चर्यजनक रूप से मोदी उनके विरुद्ध पार्टी के अनुशासन तोड़ने जैसी कार्रवाई ही भी नहीं होने देते हैं। इसमें पहला नाम गांधी परिवार से आने वाले वरुण गांधी का है, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने के बाद संगठन में महासचिव का पद दिया। वे सांसद भी चुने गए। किंतु पार्टी संगठन में उनकी निष्क्रियता से महासचिव का पद चला गया और वे मोदी के मुखर आलोचक हो गए। अपने बयानों और लेखों से मोदी को घेरते रहे। बावजूद इसके न सिर्फ उनको 2019 में भी लोकसभा का टिकट मिला, बल्कि आज भी वे पार्टी के सदस्य हैं। खुलेआम आलोचनाओं और अखबारों में लेखन के बाद भी उन्हें आज तक एक नोटिस तक पार्टी ने नहीं दिया है। हां, इस बार वे टिकट से जरूर वंचित हो गए। उनकी जगह कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को पीलीभीत से लोकसभा का टिकट मिल गया। जतिन जीत भी गए।

दूसरा उदाहरण फिल्म अभिनेता और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे शत्रुध्न सिन्हा का है। सिन्हा मोदी के मुखर आलोचक रहे और समय-समय पर सरकार पर टिप्पणी करते रहे। अंततः वे भाजपा छोड़कर पहले कांग्रेस, फिर तृणमूल कांग्रेस में चले गए। अब वे आसनसोल से तृणमूल के सांसद हैं। यही कहानी पूर्व केंद्रीयमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता यशवंत सिन्हा की है। उन्होंने भी मोदी विरोधी सुर अलापे और अंततः पार्टी छोड़कर चले गए। उनके पार्टी छोड़ने के बाद भी उनके बेटे जयंत सिन्हा को 2019 में भाजपा ने लोकसभा का टिकट दिया। जयंत सिन्हा मोदी सरकार में मंत्री भी रहे। इस बार जयंत का टिकट कट गया। ऐसे ही उदाहरणों में क्रिकेटर कीर्ति आजाद भी हैं। मोदी सरकार के विरुद्ध उनके बयान चर्चा में रहे, संप्रति वे तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं।

दिग्गज पत्रकार अरुण शौरी, अटल की सरकार में मंत्री रहे। उनका बौद्धिक कद बहुत बड़ा है। एक इंटरव्यू में अरुण शौरी ने कहा कि "नरेन्द्र मोदी के बारे में उनके अधिकारी ही मुझे कहते हैं कि उनके सामने बोल नहीं सकते। मंत्री डरे हुए रहते हैं। कोई कुछ बोल नहीं पाता है उनके सामने। उनके सामने जाने और कुछ भी कहने से पहले लोग डरे रहते हैं और सोच समझकर बोलते हैं। हालांकि अटल जी की पर्सनालिटी ऐसी थी कि लोग उनसे अपनी बात कहना चाहते थे और वह सुनते भी थे। उनकी एक खास बात यह भी थी कि वह भी यह जानना चाहते थे कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। वह पूछा करते थे और लोग बिना किसी डर के बताते भी थे।"

तीखी आलोचनाओं के बाद भी मोदी का उनके प्रति सौजन्य कम नहीं हुआ और वे शौरी की बीमारी में उन्हें देखने अस्पताल जा पहुंचे और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। अरुण शौरी और प्रधानमंत्री मोदी के रिश्तों में उस समय सबसे ज्यादा खटास देखी गई, जब अरुण शौरी यशवंत सिन्हा के साथ राफेल मामले को सुप्रीम कोर्ट लेकर पहुंच गए। यहां पर उन्होंने मामले की जांच और सौदे पर सवाल उठाए थे । हालांकि सुप्रीम कोर्ट से सरकार को क्लीन चिट मिल गई। रिश्तों में आई खटास के बावजूद भी मोदी ने पुणे स्थित अस्पताल में अरुण शौरी से मुलाकात की। इस मुलाकात के फोटो शेयर करते हुए लिखा- "आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी जी से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उनके साथ इस दौरान बहुत अच्छी बातचीत हुई। हम उनकी दीर्घायु और स्वस्थ्य जीवन की कामना करते हैं।"

अपने तीखे तेवरों के चर्चित सुब्रमण्यम स्वामी कभी जनसंघ-भाजपा से जुड़े रहे। बाद में वे भाजपा से अलग होकर जनता पार्टी के अध्यक्ष बने। केंद्र में मंत्री भी बने। 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी ने स्वामी को राज्यसभा के लिए भेजा। स्वामी इससे कुछ अधिक चाहते थे। जाहिर है इन दिनों वे मोदी के प्रखर आलोचक बने हुए हैं। किंतु उनकी आलोचनाओं पर मोदी या भाजपा ने कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। एक साक्षात्कार में स्वामी ने कहा कि "मैं बीजेपी का हिस्सा हूं...मैं इनके साथ लंबे समय से साथ हूं। मुझे पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी से भी दिक्कत थी लेकिन इतनी समस्या नहीं थी, जितनी कि पीएम नरेंद्र मोदी से है।" भाजपा छोड़कर जा चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान को वापस लाकर मोदी ने उन्हें केरल के राज्यपाल पद से नवाजा। राज्यपाल के पद पर बैठकर मोदी की आलोचना करते रहे सतपाल मलिक को भी प्रधानमंत्री पद से नहीं हटाते, बल्कि कार्यकाल पूरा करने का अवसर देते हैं। जबकि राज्यपाल एक संवैधानिक पद है और उस पद पर बैठे व्यक्ति को केंद्र सरकार की सार्वजनिक आलोचना से बचना चाहिए। किंतु सतपाल मलिक ऐसा करते रहे और मोदी उनकी सुनते रहे। इसी तरह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी नाराज होकर पार्टी से बाहर थे और अपनी पार्टी बनाकर सक्रिय थे। भाजपा ने मोदी के कार्यकाल में न सिर्फ उनकी पार्टी में वापसी सुनिश्चित की बल्कि उन्हें झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद भी दिया। नाराज होकर भाजपा दो बार छोड़ चुके कल्याण सिंह (अब स्वर्गीय) को राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया। उनके पुत्र राजबीर को लोकसभा का टिकट और पौत्र संदीप सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री का पद मिला। मध्यप्र देश की मुख्यमंत्री रहीं उमा भारती भी 'भाजपा के अनुशासन चक्र' का शिकार रहीं। मोदी ने उन्हें अपनी सरकार में मंत्री बनाया और उनके साथ भाजपा छोड़कर गए प्र''ाद सिंह पटेल मोदी सरकार में राज्यमंत्री बने। अब पटेल मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। ये उदाहरण बताते हैं मोदी अपने लोगों के प्रति खासे उदार हैं। वे अपनी 'निजी आलोचना' की बहुत परवाह नहीं करते और गांठ नहीं बांधते। निजी रिश्तों को राजनीति से ऊपर रखते हैं। वे शरद पवार के अभिनंदन समारोह में शामिल हो सकते हैं, मुलायम सिंह यादव के परिवार में आयोजित विवाह समारोह में भी इटावा भी जा सकते हैं। उनकी ताकत है कि वे कश्मीर में महबूबा मुफ्ती के साथ भाजपा की सरकार बनाने की अनुमति दे सकते हैं। राजनीतिक समझबूझ के साथ अपने वैचारिक आग्रहों पर डटे रहना मोदी की विशेषता है। इसलिए वे भारतीय राजनीति की पिच पर आज भी मजबूती से जमे हुए हैं।

(लेखक, भारतीय जन संचार संस्थान नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक हैं।)

पुलिस थाना बगरू ने दिया बडी कार्यवाही को अंजाम

अभियुक्त सुरेन्द्र सिंह, शिवम सिंह व प्रेमचन्द सैनी को किया गिरफ्तार

कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ के निर्देशन में जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के पश्चिम ने पकड़ा जाली नोटों का जखीरा

85 लाख 94 हजार रूपये कीमत के 500-500 रूपये के जाली नोट बरामद, तीन अभियुक्त गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलीलकुरैशी) 21.08.2024 जयपुर !पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार आईपीएस ने बताया कि दिनांक 14.08.2024 को पुलिस थाना बगरू क्षेत्र में धोखाधडी पूर्वक एक व्यक्ति को झांसा देकर उसकी 80 बकरिया ट्रक में लेकर चले गये। जिस पर तीन अभियुक्तों सुरेन्द्र सिंह, शिवम सिंह व प्रेमचन्द को गिरफ्तार किया गया था एवं एक नाबालिक को निरूद्ध किया गया था। उक्त अभियुक्तों के पास मिली कार की तलाशी में 500-500 रूपये कीमत के 9,00,000 रूपये के जाली नोट बरामद हुये थे। जिस पर अभियुक्तों के पास मिले अत्यधिक राशि के जाली नोटों की गंभीरता को देखते हुये तत्काल जाली नोट बरामद कर मुकदमा नम्बर 384/2024 धारा 178, 179, 180, 318(4), 61(2) (ए) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान आरंभ किया गयामामले की गंभीरत को देखते हुये नीरज पाठक, अति. पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम के निर्देशन में अमीर हसन, सहायक पुलिस आयुक्त, बगरू जयपुर पश्चिम के सूपरविजन में हरीश चन्द सोलंकी, पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी के नेतृत्व में सुनील गोदारा उनि, देवेन्द्र धायल कानि0 7714, महेश कुमार 7822, अशोक कुमार कानि0 10737 व नन्दकिशोर 10011 की टीम गठित की गई। बकरी चोरी के प्रकरण में अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाने के उपरान्त दिनांक 20.08.2024 को अभियुक्त सुरेन्द्र सिंह, शिवम सिंह व प्रेमचन्द सैनी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया जाकर जाली नोटों के संबंध में गहनता से अनुसंधान एवं पूछताछ की गई। जिस पर अभियुक्तों ने अपने घर मकान नम्बर 57 नानूपुरी कॉलोनी, खिरणी फाटक रोड झोटवाडा जयपुर पर ही प्रिन्टर से जाली नोट छापने की सूचना दी। उक्त सूचना की तस्दीक की गई तो अभियुक्तों के निवास स्थान पर जाली नोटों का जखीरा मिला। मौके पर मिले 500-500 रूपये के 85,94,000 रूपये कीमत के जाली नोट बरामद कर जब्त किये गये। साथ ही दो प्रिन्टर एवं दो कटर जो नोट काटने के लिये उपयोग लिये जाते थे, भी मौके से जब्त किये गये। तीनों अभियुक्तगणों से गहनता से पूछताछ की जा रही है। प्रकरण में अनुसंधान जारी है। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम व पतेः-1. सुरेन्द्र सिंह पुत्र रमेश दान जाति चारण उम्र 50 साल निवासी मकान नम्बर 57, नानूपुरी कॉलोनी, खिरणी फाटक रोड थाना झोटवाडा जयपुर। 02. शिवम सिंह बारेठ पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह जाति चारण उम 24 साल निवासी मकान नम्बर 57, नानूपुरीकॉलोनी, खिरणी फाटक रोड थाना झोटवाडा जयपुर। 03. प्रेमचन्द पुत्र श्री सूरजमल सैनी उम्र 45 साल जाति माली निवासी मकान नम्बर 9 बी जगन्नाथपुरी कॉलोनी झोटवाडा पुलिस थाना झोटवाडा जिला जयपुर।

बरामद सामान का विवरण :(1). अभियुक्तों से कुल 85,94,000 रूपये कीमत के 500-500 रूपये के जाली नोट(2). दो प्रिन्टर, जो नोट छापने के लिये उपयोग लिये जाते थे।(3). दो कटर जिनसे छापने के बाद नोटों की कटिंग की जाती थी।(4). दो ए-4 साईज की सीट जिन पर 4-4 असल 500-500 के नोट चिपके हुये थे, जिनकी फोटोकॉपी कर नोट छापे थे।

:— बरामदगी कार्यवाही के दौरान जाली नोटों का जखीरा

मुल.—1. शिवम सिंह, 2.सुरेन्द्र 3.प्रेमचन्द सैनी

- **अभियुक्तों ने अपने घर में ही लगा रखे थे जाली नोट छापने के उपकरण**
- **अभियुक्तों के नानूपुरी कॉलोनी झोटवाडा स्थित घर से 85,94,000 रूपये कीमत के 500-500 रूपये के जाली नोट के साथ ही 2 प्रिन्टर व 2 पेपर कटर किये जब्त**
- **अभियुक्तों के कब्जे से दिनांक14.08.2024 को भी मिले थे, 9 लाख रूपये के जाली नोट**
- **मुल्जिम सुरेन्द्र सिंह व शिवम सिंह है पिता-पुत्र**

संक्षिप्त समाचार

जयपुर विकास प्राधिकरण ने दो स्थानों से हटाए अतिक्रमण

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 21 अगस्त। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-6 मुरलीपुरा रामेश्वर धाम कॉलोनी में भूखण्ड सख्या-79 के पास खालीपड़ीभूमिकोकब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-4 दौलतपुरा में जेडीए स्वामित्व की सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया।मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जोन-06 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित मुरलीपुरा में रामेश्वर धाम कॉलोनी भूखण्ड संख्या-79 के द्वारा पास में ही खाली पड़ी करीब 18×75 फीट भूमि पर कब्जा-अतिक्रमण कर अवैध रूप से टिनशेड़, रैम्प, गेट, दरवाजा इत्यादि लगाकर अतिक्रमण किये जाने की शिकायत प्राप्त होने पर आज जोन-06 राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर खाली पड़ी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जेडीए द्वारा जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम दौलतपुरा जेडीए स्वामित्व की सरकारी भूमि परकब्जा-अतिक्रमण कर अवैध रूप से पानी टंकी इत्यादि लगाकर अतिक्रमण किये जाने की षिकायत प्राप्त होने पर पूर्व में धारा 72 जेडीए के तहत नोटिस जारी कर अतिक्रमणकर्ता को अतितक्रमण हटाने हेतु पाबंद किया गया था, परन्तु अतिक्रमणकर्ता द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाये जाने पर आज जोन-12 राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर जेडीए स्वामित्व की सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाही उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-06, 07 व प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

जिला प्रशासन ने संभाला श्री गलता जी पीठ के घाट के बालाजी मंदिर के प्रशासक प्रबंधन एवं संचालन का जिम्मा

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 21 अगस्त। माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों की अनुपालना में देवस्थान विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत जिला कलक्टर,जयपुर द्वारा मंदिर ठिकाना गलता जी का बतौर प्रशासक प्रबंधन एवं संचालन किया जा रहा है।मंदिर ठिकाना गलता जी प्रबन्धन एवं संचालन समिति के अध्यक्ष एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) राजकुमार कस्वां ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों की अनुपालना में बुधवार को जिला प्रशासन द्वारा श्री गलता जी पीठ के घाट के बालाजी मंदिर का प्रबंधन एवं संचालन संभाल लिया गया है। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर, जयपुर द्वारा मंदिर ठिकाना गलता जी की समस्त परिसंपत्तियों के प्रबन्धन एवं संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सहायतार्थ प्रबन्धन एवं संचालन समिति का गठन किया है। अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) की अध्यक्षता में गठित प्रबन्धन एवं संचालन समिति में उपखण्ड अधिकारी-जयपुर प्रथम एवं कोषाधिकारी (शहर), जयपुर को सदस्य एवं सहायक आयुक्त (द्वितीय), देवस्थान विभाग को सदस्य सचिव बनाया गया है।उल्लेखनीय है कि माननीय उच्च न्यायालय ने मंदिर ठिकाना गलता जी के महंत श्री अवधेशाचार्य की नियुक्ति को अवैध घोषित करते हुए मंदिर ठिकाना गलता जी एवं उसकी समस्त परिसंपत्तियों का प्रबन्धन एवं संचालन राज्य सरकार एवं देवस्थान विभाग को करने के निर्देश दिये गए हैं।

जयभीम के नारों से गूंजायमान हो उठा क़स्बा मनोहरपुर

आरक्षण से छेड़छाड़ के खिलाफ भारत बन्द की रैली शान्ति पूर्ण सम्पन्न

चमकता राजस्थान

मनोहरपुर (खलील कुरैशी) कस्बा मनोहरपुर में शिव कॉलोनी से रैली में हजारों की संख्या में लोग पहुंच कर गांधी चौक से धूलेश्वर कॉलेज होते हुए इंद्रा कॉलोनी में डॉ अम्बेडकर की प्रतिमा के सामने सभा का आयोजन किया गया जिसमें वक्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले के बारे में जानकारी दी। सैकड़ों की तादाद में महिलाओं ने पहुंचकर मंगल गीत के माध्यम से एकता का परिचय दिया।अर्जुन मोहनपुरिया ने बताया कि राष्ट्रपति महोदया के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया जिसमें मांगे निम्न रखी गई। एससी एसटी के आरक्षण को नो वीं अनुसूची में डाला जाए। जिन विभागों का निजीकरण किया गया उनमें आरक्षण व्यवस्था लागू की जाए। केंद्रीय सरकार द्वारा फैसले को अपास्त करने के अपील की जाए। वर्तमान जनसंख्या के अनुसार आरक्षण में बढ़ोत्तरी की जाए। रैली में खटीक समाज के अध्यक्ष महेश असवाल ने शान्ति पूर्ण व्यवस्था के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया। विक्रम धालीवाल ने व्यापार मण्डल द्वारा सहयोग करने के लिए आभार जताया।रवि मीणा ने विचार व्यक्त किए।किशन भारती ने सरकार की समुदाय विरोधी नीतियों का ब्यौरा पेस किया।नीलम नायक (पार्षद) ने महिलाओं का रैली में नेतृत्व किया। अम्बेडकर नगर की युवा टीम ने संपूर्ण रैली को व्यवस्थित करने में अपनी जिम्मेदारी निभाई तथा रैली में लोगों में जोश दिखा।ज्ञापन देने में उपस्थित लोग बिहारी असवाल पूर्व अध्यक्ष,अमर हल्दुनिया,पवन बाल्मीकि,रामेश्वर बुनकर, हनुमान जाजोरिया,पूर्व प्राचार्य, रामचंद्र बुनकर प्राचार्य, मक्खन बुनकर अध्यक्ष बलाई विकास समिति, प्रोफेसर राजेश बेनीवाल,लक्ष्मण जलुथरिया, कुंदन बेनीवाल,गोकुलमोहनपुरिया,जगमाल असवाल पूर्व अध्यक्ष इत्यादि रहे। जयपाल सिंह शेखावत तहसीलदार,बजरंग मीना उप तहसीलदार सहित अनेक अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

भारत बंद के समर्थन में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के संगठनों द्वारा शाहपुरा बंद रहा सफ़ल

चमकता राजस्थान

शाहपुरा (खलील कुरैशी) सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के आरक्षण में उप वर्गीकरण तथा क्रिमिलेयर के प्रावधान के निर्णय के विरुद्ध अनुसूचित जाति व जनजाति संगठनों द्वारा घोषित राष्ट्रव्यापी भारत बंद के समर्थन में बुधवार को अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के सामाजिक संगठनों के हजारों की संख्या में पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्ताओं ने शाहपुरा चौपड़ से कस्बे के मुख्य मार्गों से होते हुए उपखण्ड कार्यालय पहुंच कर उपखंड अधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उनके हाथों में आरक्षण बचाने को लेकर बैनर-पोस्टर व झंडे भी देखने को मिले। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में आसपास के गांवों के लोग भी उपखंड स्तरीय बंद मे शामिल हुए। भारत बंद के समर्थन में स्थानीय विधायक मनीष यादव,जनप्रतिनिधियों व सामाजिक संगठनों आदि द्वारा भी समर्थन दिया गया।

शांतिपूर्ण बंद के लिए पधाधिकारीयों ने शाहपुरा पुलिस प्रशासन,व्यापार मंडल,मीडिया कर्मियों आदि का आभार जताया। आवश्यक आपातकालीन सेवाओं को इस बंद से मुक्त रखा गया है। इस संबंध में जिला प्रशासन ने बंद को देखते हुए पहले ही पूरी तैयारी कर ली थी। व्यापारिक संगठनों प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित कर कर शांतिपूर्ण बंद के रूपरेखा तैयार की थी।

बेटियों ने पर्यावरण पंचायत कर, रक्षा सूत्र बांध हरित बड़नगर - पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

चमकता राजस्थान। कोटपूतली- बहरोड, (धर्मेंद्र बंसल) 21 अगस्त 2024, हरित बड़नगर घर-घर पौधरोपण अभियान संयोजक एवं पर्यावरणविद् जल प्रहरी दीप सिंह शेखावत के नेतृत्व में विगत 75 दिनों से चल रहा हरित बड़नगर घर-घर पौधरोपण अभियान के तहत गांव की बेटियों ने रक्षाबंधन के पुनीत त्योहार पर पेड़ों के राखी बांधकर , पर्यावरण पंचायत कर जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देकर घर-घर पौधारोपण किया । पर्यावरण पंचायत का आयोजन श्री श्री 1008 श्री ज्ञान दास जी महाराज के सानिध्य में तथा शिक्षाविद जी. एल. यादव के मुख्य आतिथ्य में बाल भारती माध्यमिक विद्यालय बड़नगर में किया गया । महन्त श्री ज्ञान दास जी महाराज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति की खुशहाली में ही जीव जगत की खुशहाली है, पेड़ ही धरती का श्रृंगार है । पर्यावरण पंचायत के मुख्य अतिथि शिक्षाविद जी एल यादव अपने विद्यार्थियों को पेड़ लगाओ जल बचाओ की शपथ दिलवाते हुए पर्यावरण संरक्षण की बात समझायी । सुखाड़ बाढ विश्व जन आयोग सदस्य एवं पानी किसानी जवानी संवेदना यात्रा संयोजक दीप सिंह शेखावत एवं निदेशक राजेंद्र स्वामी ने राखी के त्योहार पर की बेटियों को प्रोत्साहित करके पेड़ों के रक्षा सूत्र बंधवाकर, पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलवाकर 500 पौधों का रोपण करवाया । वरिष्ठ अध्यापक रणधीर सिंह शेखावत एवं मोहनलाल मीणा अध्यापक ने कहा कि पानी किसानी जवानी संवेदना यात्रा गांव, ढाणी, मोहल्ले, गली, स्कूल, मंदिर अस्पताल एवं घर-घर जाकर वृक्षारोपण करके देश एवं प्रदेश में एक अनोखी मुहिम चलाकर गांव को हरियाली युक्त प्रदूषण मुक्त करने का अभियान प्रयास परिश्रम युद्ध स्तर पर जारी है । वार्ड पंच दिनेश सोनी एवं ग्राम विकास अधिकारी मुकेश कुम्हार एवं युवा नेता जीतू सिंह ने सभी घरों , ढाणीयों में जाकर पौधों का रोपण एवं वितरण करवाते हुए राखी का त्यौहार मनाते हुए कहा कि पानी एवं पेड़ का संरक्षण करने का समय आ गया है । आज के वृक्षारोपण यात्रा कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक मालीराम स्वामी हवलदार, रामजीलाल सिंह हवलदार, जगदीश स्वामी, रेखा कंवर, मधु कंवर, अलका कंवर,दिव्या जांगिड़ रितिका योगी,मोहन टांक, महिपाल कुमावत, मुकेश स्वामी, प्रकाश स्वामी राकेश स्वामी सुगाराम यादव, मालीराम स्वामी हवलदार, घनश्याम टांक , पुजारी गुड्डू शर्मा सहित युवा टीम एवं ग्रामीण जन मौजूद रहे ।

बुधवार को गरीब व बुजुर्ग नागरिकों ने लिया नि:शुल्क जांच का फायदा

आयुष्मान भवः अभियान के तहत आयोजित मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों में जिले के गरीब व बुजुर्ग नागरिकों को मिलेगा 4 निःशुल्क मेडिकल जांच सुविधाओं का लाभ :- डॉ विजय सिंह फौजदार

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर प्रथम, 21 अगस्त। भारत सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश में आयुष्मान भवः अभियान के अन्तर्गत हैल्थ मेलां का आयोजन आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उपस्वास्थ्य केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र) एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित किये जावेगे। प्रदेश के गरीब एवं बुजुर्ग नागरिकों को प्रत्येक वर्ष 4 मेडिकल जाँच चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित किये जाने वाले मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों के दौरान निःशुल्क उपलब्ध करवाई जायेगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ0 विजय सिंह फौजदार ने बताया कि जिले में आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एसएचसी एएएम) पर माह के प्रत्येक शनिवार को, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (पीएचसी एएएम) पर माह के प्रत्येक गुरूवार को, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर माह के प्रत्येक बुधवार को, जिला चिकित्सालय पर माह के प्रथम एवं तृतीय शुक्रवार को तथा मेडिकल कॉलेज स्तर पर माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शुक्रवार को आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किये जाएगें। शिविर के दौरान सीएचसी, जिला चिकित्सालय व मेडिकल कॉलेजों में रैफर किये गये मरीजों को प्राथमिकता प्रदान कर निर्धारित शिविर में परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध करवाई जायेगी।उन्होंने बताया कि ''प्रदेश के गरीब एवं बुजुर्ग नागरिकों को प्रत्येक वर्ष 4 मेडिकल जाँच चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित किये जाने वाले आरोग्य शिविरों के दौरान निःशुल्क उपलब्ध करवाई जायेगी। गरीब एवं बुजुर्ग नागरिकों की प्रथम जांच 21 अगस्त को की गई । द्वितीय जांच 1 अक्टूबर को, तृतीय जांच 1 दिसम्बर को तथा चतुर्थ मेडिकल जांच 10 मार्च, 2025 को चिकित्सा संस्थानों पर की जायेगी। आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर की जाने वाली 60 वर्ष से अधिक आयु वाले मरीजों की जांच की सूचना ओडीके एप पर की जायेगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी एएएम), उप स्वास्थ्य केन्द्र (एसएचसी एएएम) पर आयोजित होने वाले 'मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर' में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्धता एवं आवश्यकतानुसार उपलब्ध करवाई जायेगी।साथ ही शिविर में रोगी का पंजीकरण, आभा आईडी बनाना, आयुष प्राथमिक चिकित्सा सुविधा, निःशुल्क दवा, जांच एवं टेलीकन्सलटेशन सेवाएं, वैलनेस गतिविधियों का आयोजन इत्यादि द्वारा भी आमजन को लाभ प्रदान किया जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

उत्साह के साथ मनाई गई महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय की जयंती

- रामनिवास बाग और सिटी पैलेस में भावभीनी श्रद्धांजलि/ पुष्पांजलि कार्यक्रम का हुआ विधिवत आयोजन

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 21 अगस्त। महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय की 113वीं जयंती आज जयपुर में उत्साह के साथ मनाई गई। राम निवास बाग में सुबह जयपुर के पूर्व महाराजा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर परएमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय की कार्यकारी ट्रस्टी, रमा दत्त और संग्रहालय के निदेशक, वैभव चौहान उपस्थित थे। सिटी पैलेस औरएमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय के अधिकारियों और स्टाफ ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर रमा दत्त ने कहा कि स्वर्गीय महाराजा मान सिंह मॉर्डन जयपुर के निर्माता थे। जयपुर में बड़ी संख्या में कॉलेज, अस्पताल, स्कूल,चौड़ी सड़कें, सिटी स्टेडियम आदि सभी उनके समय में और उनकी पहल पर बनाए गए थे। वे राजस्थान के पहले राजप्रमुख भी थे।शाम को अशोक क्लब में बड़ी संख्या में क्लब के सदस्यों ने स्वर्गीय महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर महाराज नरेंद्र सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल के. के. सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान 10 जैक राइफल्स के आर्मी बैंड ने भी प्रस्तुति दी। बैंड का संचालन, नायब सूबेदार तलविंदर सिंह ने किया। वहीं इससे पहले दिन में, सिटी पैलेस और संग्रहालय में बड़ी संख्या में आगंतुकों ने भी सर्वतोभद्र चौक पर महाराजा की तस्वीर के सामने पुष्पांजलि अर्पित की।

पहली बार सप्ताहभर मनाया जायेगा राष्ट्रीय खेल दिवस

- राष्ट्रीय खेल दिवस 26 से 31 अगस्त तक होगें आयोजित

चमकता राजस्थान/जयपुर, 21 अगस्त, 2024। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द के जन्म दिवस पर राजस्थान में पहली बार सप्ताहभर तक विभिन्न खेलों के आयोजन किये जायेगें। देशभर में राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त) के उपलक्ष में आम जनता की खेलों में भागीदारी बढ़ाने व देश में खेल व फिटनेस कलचर स्थापित करने के लिए खेल गतिविधियां/खेलो से जूडी हुई अन्य सुसंगत गतिविधियों का आयोजन 26 अगस्त से 31 अगस्त तक व्यापक व ग्रासरूट लेवल तक किया जायेगा।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् के सचिव श्री सोहन राम चौधरी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा खेल दिवस के उपलक्ष्य में वॉक/रेस, वॉलीबाल, हॉकी, फुटबाल, टेनिसबाल क्रिकेट, बैडमिंटन, शतरंज, बास्केटबाल, टेबल टेनिस, टग ऑफ वॉर, रोप जंपिग, खो-खो आदि खेलो का आयोजन किये जाने का सुझाव दिया है। प्रदेश के इतिहास में पहली बार सप्ताहभर तक खेल आयोजन किये जायेगें।

उन्होने बताया कि हर नागरिक खेल गतिविधि व फिटनेस कलचर से जुडे, इसके लिए समस्त खेल संघ, प्राईवेट व सरकारी खेल अकादमी, फिटनेस सेन्टर, समस्त सरकारी कार्मिक/विभाग, विशेषतौर पर शिक्षा विभाग, खेल विभाग का सक्रिय सहयोग अपेक्षित है। इस अवसर पर स्थानीय खेल आईकोन्स को भी आमंत्रित करेंगे। खेलो के साथ-साथ समकालीन खेल, स्वदेशी खेलों की गतिविधिया भी की जायेगी। साथ ही सभी को स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता बढाने के लिए प्रोत्साहित भी किया जायेगा।

उन्होने बताया कि देश भक्ति व खेलो की भावना विकसित करने की दृष्टि से प्रतिभागी टीमो के नाम स्वतन्त्रता सैनानी/देश के प्रतिष्ठित खिलाडियों के नाम पर भी रखा जाना प्रस्तावित है। साथ ही सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को गाईडलाईन के अनुसार फिट इण्डिया की शपथ भी दिलाई जानी है।

पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी की जयंती मनाई गई

चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक श्रीनगर। नसीराबाद। देश के पूर्व प्रधानमंत्री कंप्यूटर क्रांति के जनक स्वर्गीय राजीव गांधी की जन्म जयंती सद्भावना दिवस के रूप में नगर कांग्रेस कार्यालय पर पूर्व विधायक पीसीसी महासचिव महेंद्र सिंह गुर्जर के मुख्य आतिथ्य में व नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मोहम्मद हुसैन खान की अध्यक्षता में श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर युवा नेता अशोक गुर्जर, छावनी परिषद पूर्व चेयरमैन माणकचन्द खींची , जगदीश उदेनिया ,गोपाल बोयत , लाल पेंटर ,बंसीलाल , दपक्यावर ,अजय कनोजिया,प्रेम चावला,महेश खींची आदि उपस्थित थे।

भारतीय जानता पार्टी ने अरुण चतुर्वेदी को बनाया सदस्यता अभियान का संयोजक

चमकता राजस्थान/जयपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार सदस्यता अभियान के संयोजक और सह संयोजक की घोषणा की गई है । जिसनमें पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी को प्रदेश संयोजक बनाया गया है । प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनिया, विधायक अनिता भदेल, पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, प्रदेश मंत्री आईदान सिंह भाटी को सह संयोजक बनाया गया है ।

आमजन के सहयोग से राजस्थान में भारत बंद शांतिपूर्ण रहा : डीजीपी साहू

पुलिस-प्रशासन रहा चाक चौबंद रहे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) 21 अगस्त। प्रदेश में विभिन्न संगठनों के आ''ान पर बुधवार को भारत बंद के तहत राजस्थान में बंद शांतिपूर्ण रहा। यह जानकारी देते हुए पुलिस महानिदेशक(डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने बताया कि प्रदेश में राज्य सरकार के निर्देश पर पुलिस–प्रशासन की ओर से किए गए प्रयासों के कारण बंद शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ। राज्य में बंद के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस-प्रशासन द्वारा आमजन के सहयोग तथा संगठनों के साथ समन्वय से विगत दिनों में लगातार प्रयास किए गए। पुलिस एवं प्रशासन के पुख्ता इंतजाम के कारण पूरे प्रदेश में एक-दो छिटपुट घटनाओं को छोड़कर कोई भी अप्रिय घटना नहीं हुई। पुलिस-प्रशासन के साझा माकूल इंतजामों की वजह से बंद शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

- **महानिदेशक पुलिस राजस्थान ने दी विस्तृत जानकारी**

डीजीपी साहू ने बताया कि विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा बुधवार, 21 अगस्त को संपूर्ण भारत बन्द का आ''ान किया गया था। बन्द के आह्वान पर पुलिस विभाग द्वारा आज से 10-12 दिन पहले ही कार्ययोजना बनाना शुरू कर दिया था। इसके लिए प्रदेश के सभी एसपी, सर्किल ऑफिसर एवं एसएचओ को बंद का आह्वान करने वाले संगठन के पदाधिकारियों, व्यापारिक संगठन एवं ट्रांसपोर्ट संगठन के साथ अलग-अलग स्तर पर बैठक आयोजित कर चर्चा करने के निर्देश दिए गए, ताकि बंद के आयोजन को लेकर किसी प्रकार का विवाद ना रहे।डीजीपी साहू ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा भी बैठकों का आयोजन किया गया और दिशा निर्देश जारी किए गए। मुख्य सचिव सुधांश पंत द्वारा भी जिला कलेक्टर, जिला एसपी एवं रेंज आईजी के साथ बैठक कर पुलिस एवं प्रशासन को एकजुट होकर इस बंद के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश जारी किए गए। इन निर्देशों की पालना में जिलों में प्रशासन एवं पुलिस ने एक साथ मिलकर व्यवस्थाओं को तैयार किया। साथहीअलग-अलग समय पर लोगों से वार्ता कर जहां कहीं भी किसी प्रकार का कंफ्यूजन था, उस कंफ्यूजन को दूर करने का सार्थक प्रयास किया।डीजीपी ने बताया कि पुलिस-प्रशासन द्वारा सभी संगठनों के लोगों को एक जगह बैठा कर आयोजन के संबंध में सहमति प्राप्त की। आज सुबह से सभी जिलों और सभी जगह पर पुलिस ने काफी अच्छी मेहनत कर इस बंद को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में अपना महत्ती योगदान दिया। उन्होंने बताया कि हालांकि दो-तीन जगह अलग-अलग छिटपुट घटनाएं हुई है, लेकिन इन घटनाओं के संबंध में अभी कोई केस दर्ज नहीं हुआ है। यदि इस सम्बन्ध में किसी तरफ से कोई रिपोर्ट प्राप्त होती है तो उसके अनुसार जो घटना हुई है, उस पर विधि सम्मत आवश्यक कानूनी कार्रवाई संपादित की जाएगी।

संयुक्त जनसंगठन राजस्थान ने प्रदेशवासियों से आपसी सौहार्द्र और सामाजिक समरसता बनायें रखने की करी अपील

चमकता राजस्थान

जयपुर! उदयपुर में दो छात्रों के बीच मामूली झगड़े के बाद चाकूबाजी में एक छात्र की मृत्यु के मामले को लेकर आदर्श नगर जयपुर स्थित एपीसीआर कार्यालय पर साम्प्रदायिक सदभाव में विश्वास करने वाले विभिन्न राजस्थान के जन संगठनों की संयुक्त बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में घटना को निंदनीय बताते हुए मृतक छात्र देवराज के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। तथा मृतक छात्र के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए एवं ईश्वर उनके परिवार को संबल प्रदान करें। बैठक के दौरान उक्त दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद हुई हिंसा एवं आगजनी घटनाओं तथा कुछ संगठनों के द्वारा मामले को साम्प्रदायिक रंग दिए जाने के मामले में सरकार से त्वरित हस्तक्षेप की मांग की गई। घटना को साम्प्रदायिक रंग देकर प्रदेश का सदभाव खराब करने वाले तथा सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों की पहचान करने हेतु पूरे मामले की गहनता से जांच की मांग की गई। बैठक में जहां एक ओर आरोपित छात्र पर कानून सम्मत कार्यवाही की मांग की गई वहीं प्रदेश में बुलडोजर संस्कृति के तहत आरोपित के किराए के मकान को असंवैधानिक ढंग से गिराने तथा आरोपित की बजाय उसके पिता को बिना किसी कानून के गिरफ्तार करने को गलत ठहराया गया। बैठक में सरकार से यह भी मांग की गई की तोड़े गए मकान के वास्तविक मालिक को उसका मकान वापस से बनाकर दिया जाए। और उपद्रव फैलाने वालों से शक्ति से निपटने एवं आरोपी छात्र के पिता सलीम शेख को तत्काल रिहा करने की मांग की गई।

- **बैठक में उपस्थित राजस्थान के जन संगठन**

दमन प्रतिरोध आंदोलन राजस्थान, राजस्थान मुस्लिम फोरम, फोरम फॉर डेमोक्रेसी एण्ड कम्यूनल एमिटि राजस्थान, राजस्थान नागरिक मंच, मसीह शक्ति राजस्थान एवं जन संप्रभुता संघ के जिम्मेदार प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

एससी एसटी फैसले के विरोध में वैर कस्बे को किया बंद, भारत बंद को बनाया सफल

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह)। वैर कस्बे को सुप्रीम कोर्ट के एससी एसटी फैसले के विरोध में एससी एसटी आरक्षण संघर्ष समिति के युवाओं ने सम्पूर्ण वैर कस्बे को बंद कर भारत बंद करने को सफल बनाया। वैर कस्बे के डॉ भीमराव अम्बेडकर भवन परिसर में काफी हजारों की संख्या में एससी एसटी के युवा एकत्रित हुए। सभी युवा एवं गणमान्य लोगों को जय भीम और संविधान बचाओ के बैनर, झंडे थमाए गए।एससी एसटी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा हम संविधान को मानने वाले लोग हैं। हमें संविधान और कानून की पालना करते हुए संविधान के दायरे में रहकर शांति प्रिय तरीके से रैली निकालकर भारत बंद को सफल बनाना है। संघर्ष समिति ने सुप्रीम कोर्ट के एससी एसटी फैसले के विरोध में राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर अंबेडकर भवन वैर से रैली का शुभारंभ कर संपूर्ण वैर कस्बे में रैली निकाली गई। एससी एसटी के युवाओं ने रैली में जय भीम के उदघोष के साथ जंग लड़ो बेईमानो से निकलों बाहर मकानों से तमाम जयकारों के साथ एससी एसटी के समाज ने भारत बंद किया। इस मौके पर अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी के जिला अध्यक्ष विजेंद्र सिंह आजाद, जाटव समाज के विधानसभा अध्यक्ष एवं एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष कुंवर पुष्पेंद्र सिंह गोठरा, तेज सिंह नशवारिया, रामवीर सिंह जाटोलिया, सुनील कुमार चेयरमैन, टीकाराम, विशाल, गोविंदा आजाद, हाकिम बाई,दिलीप मैक्स, दिनेश खरैरी, ब्रजकिशोर, राजेश कुमार, राहुल कुमार मुड़िया , तेज सिंह बरखेड़ा, शुगर पूर्व सरपंच, बदनसिंह मीणा, हजारों की संख्या में एससी एसटी संघर्ष समिति के लोग मौजूद थे।

शिक्षा सेतु योजना के तहत ओपन स्कूल से घर बैठे कर सकेंगे दसवीं पास और बारहवीं

चमकता राजस्थान । धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर, 21 अगस्त 24 को राज्य सरकार द्वारा संचालित आईएम शक्ति निधि के तहत चलाई जा रही शिक्षा सेतु योजना से ड्रॉपआउट और स्कूल छोड़ चुकी बालिकाओं और महिलाओं को बिना स्कूल जाए घर रहकर 10वीं और 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने का सुनहरा अवसर मिलता है। उक्त पद्धति से राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल जयपुर से 10वीं और 12वीं का आवेदन करने वाली बालिकाओं को शिक्षा सेतु योजना के तहत प्रवेश शुल्क, पुनः प्रवेश शुल्क, पंजीयन शुल्क, परीक्षा शुल्क, प्रायोगिक विषय शुल्क, अग्रेषण शुल्क, सैद्धांतिक व प्रायोगिक परीक्षा शुल्क नही देना होता है, जिस कारण मुफ्त में आवेदन किया जा सकता है।

ओपन स्कूल में आवेदन करने के लिए बालिकाएं 10वीं कक्षा हेतु एक जुलाई 2024 को आयु 14 वर्ष एवं 12वीं कक्षा हेतु उक्त तिथि को आयु 15 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिये, अधिकतम आयु की कोई सीमा नहीं है। बालिका, विवाहिता, वृद्धा आदि सभी आवेदन कर सकते हैं। 9वीं कक्षा तक की कोई भी कक्षा उत्तीर्ण 10वीं हेतु आवेदन कर सकता है। 8वीं पास होना अनिवार्य नही है। बोर्ड परीक्षा में 10वीं अनुत्तीर्ण भी 10वीं हेतु आवेदन कर सकते हैं। 12वी कक्षा हेतु 10वीं उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र होना आवश्यक है एवं 10वी से एक वर्ष का अंतराल होना चाहिये।

शिक्षा सेतु योजना में आवेदन करने के लिए राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल जयपुर द्वारा बनाये गए संदर्भ केन्द्रों पर सम्पर्क कर आवेदन किया जा सकता है। आवेदन अभ्यर्थी की एसएसओ आईडी से होता है। पाठ्यपुस्तकों का वितरण, शुल्क विवरण, परीक्षा की जानकारी आदि सभी कार्य सन्दर्भ केन्द्रों से संचालित होते हैं। महात्मा गांधी रा. उ. मा. वि. सिटी कोतवाली, रा.उ.मा.वि. राजाखेडा, रा.उ.मा.वि. बसेडी, रा.उ.मा.वि. सैपऊ, रा.उ.मा.वि.बाड़ी, रा.उ.मा.वि.धौलपुर, रा.उ.मा. वि.अजीतपुरा, रा.उ.मा.वि. अनन्दापुरा, रा.उ.मा.वि. डंडॉली, रा.उ.मा. वि. दुल्हारा, रा.उ.मा.वि. कोटरा, रा.उ.मा.वि.फिरोजपुर, रा.उ.मा.वि. महुआखेड़ा, रा.उ.मा.वि.टांडा को संदर्भ केंद्र बनाया हुआ है। नजदीकी केंद्र में संपर्क कर सकते हैं।

पंजीकरण की अंतिम तिथि स्ट्रीम-1 में बिना विलंब शुल्क 30 सितम्बर 2024 तक एवं स्ट्रीम-2 में विलंब शुल्क 500 रुपये के साथ 31 अगस्त 2024 तक रखी गई है। इकन्टेंट भी उपलब्ध- इसके लिये राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल नाम से मोबाइल एप्पलीकेशन भी गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है, जिस पर विषय सामग्री, वीडियो आदि देखे जा सकते हैं। शिक्षा सेतु योजना में पंजीयन एवं सन्दर्भ केंद्र सम्बन्धी किसी प्रकार की समस्या होने पर हेल्पलाइन नम्बर 0141-2717082 पर सम्पर्क किया जा सकता है। सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग विश्व देव पांडे ने बताया कि किसी भी समस्या होने पर कोई भी विभाग के सिटी जुबली हाल धौलपुर के पास स्थित कार्यालय में सम्पर्क कर सकता है। इसके साथ ही विभाग की सुपरवाइजर, साथिन को भी अधिकाधिक पंजीयन में सहयोग की जिम्मेदारी दी गयी है।

धौलपुर में बंद का मिला जुला असर, शांतिपूर्ण तरीके से निकाली रैली, पुलिस-प्रशासन रहा अलर्ट

चमकता राजस्थान धौलपुर से रामदास तरुण की प्रमुख खबर

आज दिनांकः-21 अगस्त 24 को जिला धौलपुर में भारत बंद के दौरान मिला जुला असर पूरी तरह पुलिस प्रशासन रहा अलर्ट, अनुसूचित जाति- जनजाति के आरक्षण में क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में बुधवार को देशभर में भारत बंद का आ''ान किया गया। इस बंद का असर धौलपुर सहित आसपास के कस्बों में भी देखा गया, जहां कुछ जगहों पर बाजार बंद रहे! और कुछ जगहों पर दुकानें खुली रहीं। शहर में गांधी पार्क से कलेक्ट्रेट तक शांति पूर्ण तरीके से रैली निकाली गई। कलेक्ट्रेट पहुंचकर रैली में शामिल नेताओं ने जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान लोगों ने जमकर नारेबाजी की। जिले के बाड़ी कस्बे में बंद का व्यापक असर देखा गया। यहां स्कूल, दुकानें और बाजार पूरी तरह से बंद रहे, और कस्बे में सन्नाटा पसरा रहा। पुलिस प्रशासन ने भी बंद के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी सतर्कता बरती। पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा ने खुद धौलपुर और बाड़ी के बाजारों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। मुख्य बाजार व चौराहों पर पुलिस बल तैनात किया गया। बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में जिला धौलपुर की चारों विधानसभाओं के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता के द्वारा पार्टी के वैनर एवं झंडा के साथ रउ-रळ आरक्षण को लेकर के शांतिपूर्वक तरीके से बिना किसी उपद्रव व तोड़फोड़ में शामिल न होकर के जिला कलेक्टर को महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया गया। जिसमें बीएसपी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। हरीसिंह तैन्गुरिया (प्रदेश महासचिव, जोन इन्चार्ज), आरिफ खांन, प्रदेश सचिव, विक्रमसिंह प्रदेश सचिव, दिनेश कुमार सिगोरिया पूर्व जिला अध्यक्ष, किशन सिंह अजानिया पूर्व जिला अध्यक्ष पूर्व जिला महासचिव, प्रवीण भास्कर, रविन्द्र कोमल विधानसभा प्रभारी बाड़ी, सुरेश विधानसभा अध्यक्ष घोसपुर, ब्रजेश सोनी, अचल सिंह विधानसभा अध्यक्ष बाड़ी, कैलाशी, रूपसिंह आदि मौजूद रहे।

भाजपा से राज्यसभा प्रत्याशी रवनीत सिंह बिट्टू ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ प्रदेश पदाधिकारियों का जताया आभार

चमकता राजस्थान

जयपुर, 21 अगस्त 2024। भाजपा के राज्यसभा प्रत्याशी रवनीत सिंह बिट्टू आज नामांकन भरने के बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे। भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि भाजपा कार्यालय में राज्यसभा प्रत्याशी रवनीत सिंह बिट्टू का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। इसके बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, राज्य सरकार के मंत्री जोगाराम पटेल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, मुकेश दाधीच, सरदार अजयपाल सिंह, नोहर सिंह जोधा, मोतीलाल मीणा, भाजपा महामंत्री दामोदर अग्रवाल, श्रवण सिंह बगडी, जितेंद्र गोठवाल ने रवनीत सिंह बिट्टू को शुभकामनाएं दी।

भाजपा से राज्यसभा प्रत्याशी रवनीत सिंह बिट्टू ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से मुलाकात कर शीर्ष नेतृत्व के साथ प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनके मंत्रिमंडल के साथी विधायकों तथा प्रदेश भाजपा नेताओं का जो प्यार मिला, उसके लिए हमेशा ऋणी रहूंगा। उन्होंने कहा कि आज पार्टी ने मुझे राजस्थान से राज्यसभा का उम्मीदवार बना कर बड़ी जिम्मेदारी दी है। उसके लिए मैं भाजपा का आभारी हूं। अब मेरी जन्म भूमि पंजाब है और अब कर्म भूमि राजस्थान हो गई है। केंद्र सरकार द्वारा दी गई जिम्मेदारी का मैं पूर्णरूप से निर्वहन करूंगा और किसी तरह से प्रदेश की जनता को लाभ देने से पीछे नहीं हटूंगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान भाजपा की जो टीम है, वह बहुत अच्छी है और मैं उसी टीम में शामिल हुआ हूं। मुझे राजस्थान की पगड़ी पहनाई गई है। पंजाब के साथ राजस्थान की इस पगड़ी की आन-बान और शान को और ऊंचा लेकर जाऊंगा। भाजपा कार्यालय में भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, महेंद्र कुमावत, मिथिलेश गौतम, अजीत मॉडण, स्टेफी चौहान, भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित गुर्जर चेची, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती, एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ रक्षा भंडारी सहित भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एससी एसटी फैसले के विरोध में बाड़ी कस्बे को किया बंद

● भारत बंद को बनाया सफल

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण) बाड़ी आज दिनांक :-21 अगस्त 24 को कस्बे में सुप्रीम कोर्ट के एससी /एसटी फैसले के विरोध में एससी/ एसटी आरक्षण बचाओ संघर्ष मंच बाडी के युवाओं ने सम्पूर्ण बाड़ी कस्बे को प्रेम पूर्वक बंद करा कर भारत बंद करने को सफल बनाया। बाड़ी कस्बे के महाराणा प्रताप स्टेडियम खेल मैदान परिसर में काफी हजारों की संख्या में एससी /एसटी के युवा एकत्रित हुए। सभी युवा एवं गणमान्य लोगों के द्वारा जय भीम और संविधान बचाओ के बैनर, झंडे थमाए गए। एससी /एसटी आरक्षण बचाओ संघर्ष मंच के पदाधिकारियों ने विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हम संविधान को मानने वाले लोग हैं। हमें संविधान और कानून की पालना करते हुए संविधान के दायरे में रहकर शांति प्रिय तरीके से रैली निकालकर भारत बंद को सफल बनाना है। आरक्षण बचाओ संघर्ष मंच ने सुप्रीम कोर्ट के एससी /एसटी फैसले के विरोध में राष्ट्रपति के नाम एसडीएम बाड़ी को ज्ञापन सौंपने के लिए, रैली का शुभारंभ कर संपूर्ण बाड़ी कस्बे में रैली निकाली गई। एससी /एसटी के युवाओं ने रैली में जय भीम के उदघोष के साथ जंग लड़ो बेईमानो से निकलों बाहर मकानों से तमाम जयकारों के साथ एससी/ एसटी समाज ने भारत बंद किया। इस मौके पर किशन सिंह सरपंच मीणा समाज अध्यक्ष धौलपुर, होतम सिंह जाटव चेयरमैन प्रतिनिधि, राजेश कुमार मीणा सरपंच खानपुर, सुरेश चंद, रामसेवक अजर, रामकुमार एसडीआई, अजय मीणा, मोहर सिंह, प्रीतम सिंह, रामकेश मीणा सरपंच प्रतिनिधि नकसौदा, जगदीश रावत, मानसिंह बौद्ध, राजवीर सिंह जाटव पार्षद, राजवीर सिंह कौशल अध्यापक, बृजेंद्र सिंह, जगन सिंह, योगेश पालीवाल, मुख्तार सिंह, बदन सिंह, अमर सिंह पूनिया, डॉ. श्री राम, राशिद खान प्राचार्य, राकेश अजर एडवोकेट, बबुआराम एडवोकेट, जगलाल एडवोकेट, भारत लाल पूर्व सरपंच, दूल्हे राम, लज्जाराम शाक्य, राजेश, जवान ज्वान सिंह मीणा, राम अवतार, रवीश सिरोहा पिलानी, नरेश ओसवाल, बच्चू सिंह अजर आदि हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे!

जियो 2.72 करोड़ ग्राहकों के साथ राजस्थान में सबसे आगे, जून में 2.19 लाख नए उपभोक्ता जोड़े

चमकता राजस्थान। जयपुर। रिलायंस जियो ने राजस्थान में 30 जून, 2024 तक 2.72 करोड़ मोबाइल ग्राहकों के साथ अपनी शीर्ष स्थिति बरकरार रखी है। ट्राई की रिपोर्ट के अनुसार, जून में जियो ने 2.19 लाख नए उपभोक्ता जोड़े और अन्य दूरसंचार ऑपरेटरों से बेहतर प्रदर्शन किया। इस दौरान, भारती एयरटेल ने 1.16 लाख और बीएसएनएल ने 1,707 नए ग्राहक जोड़े, जबकि वोडाफोन आइडिया ने 66,193 मौजूदा ग्राहकों को खो दिए।

राजस्थान का कुल वायरलेस सेवा का ग्राहक आधार 30 जून, 2024 तक बढ़कर 6.68 करोड़ पहुंच गया है और इस महीने में कुल ग्राहक आधार में 2.71 लाख की वृद्धि हुई है। ट्राई की रिपोर्ट अनुसार, जियो राजस्थान में 2.72 करोड़ ग्राहकों के साथ शीर्ष पर है, जिसके बाद भारती एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल की ग्राहक संख्या क्रमशः 2.35 करोड़, 1.04 करोड़ और 55.23 लाख रही। जियो ने राजस्थान के 274 शहरों और कस्बों में 5जी सेवाएं शुरू कर दी है और राज्य में इसकी 5जी कवरेज सबसे व्यापक और बड़ी है। जियो का लगातार अच्छा प्रदर्शन उसे राजस्थान के टेलीकॉम बाजार में अग्रणी बनाए हुए है।

भामाशाहों द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल को 7.50 लाख रुपए की लागत का हॉल किया सप्रेंम भेंट

चमकता राजस्थान

कोटपूतली बहरोड, (धर्मेंद्र बंसल) 21 अगस्त 2024 कोटपूतली के आमाई ग्राम में राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल मे भामाशाह रामनिवास गर्ग, राकेश गर्ग दिल्ली वालों की तरफ से एक हॉल बनवाया, जिसकी कुल लागत 7,50,000 (सात लाख पचास हजार रुपये) साथ ही विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को बेग, कॉपी एवं पेन भेंट किए गए। बुधवार को नवनिर्मित हाल का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जयपुर ग्रामीण सांसद के प्रतिनिधि राजकुमार देवायुश सिंह, विधायक प्रतिनिधि राधा देवी पटेल, करण पटेल ने लोकार्पण किया। विशिष्ट अतिथि उपप्रधान राजेंद्र रहीसा, शंकर लाल कसाना, लीलाराम कसाना,सरपंच रहे। इस मोके पर गाव अमाई के सभी गणमान्य व्यक्तियो ने रामनिवास गर्ग व राकेश गर्ग का स्वागत एवं हार्दिक आभार प्रकट किया। इस पुनीत एवं नेक कार्य को गति देने वाले चौधरी परिवार के प्रमुख व्यक्तियों में अशोक बंसल, प्रेम बंसल नितेश बंसल,योगेश बंसल,आशु बंसल, अभिषेक बंसल, आकाश बंसल, योगेश बंसल,बजरंग बंसल, जीतेन्द्र बंसल, रूपसिंह शेखावत, सूर्यकान्त मोदी रामजीलाल, मनोहर लाल के अलावा अनेकों लोग मौजूद रहे।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड स्थानीय संघ की बैठक हुई संपन्न

चमकता राजस्थान। कोटपूतली - बहरोड, (धर्मेंद्र बंसल) 21 अगस्त 2024। कोटपूतली के राजस्थान राज्य भारत स्काउट एंड गाइड स्थानीय संघ की प्रथम बैठक का आयोजन यहां की मानवस्थली विद्यालय में आयोजित की गई। जिसमे मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जोगेंद्र सिंह राठी मुख्य अतिथि रहे। बैठक में मनोरमा यादव प्रधानाचार्य,ए.सी.बी.ई.ओ दयाराम चोरोडिया,दिनेश मित्तल ,प्रधान मनोज चौधरी, उप प्रधान अनीता मिश्रा, उप प्रधान एडवोकेट प्रभा अग्रवाल आदि अतिथि गण उपस्थित रहे। इस बैठक में कई निजी स्कूलों के संचालक एवं पधाधिकारी गण सहित स्काउट मास्टर सीता राम गुप्ता उपस्थित रहे। बैठक का सफल संचालन हंसराज यादव द्वारा किया गया। बैठक के समापन के दौरान दुर्गा प्रसाद मिश्रा द्वारा सभी पधारे अतिथियों का आभार प्रकट किया गया।

हरियाणा के टोहाना में रोडवेज बस पलटी, 8 यात्री घायल, मची चीख-पुकार

टोहाना/एजेंसी। टोहाना के गांव जमालपुर शेखा में फतेहाबाद से टोहाना के रास्ते चंडीगढ़ जाने वाली रोडवेज बस पलट गई। इससे बस में सवार 8 यात्री घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए टोहाना के नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। जानकारी के अनुसार फतेहाबाद से चंडीगढ़ के लिए चली रोडवेज बस गांव जमालपुर से दमकोरा होते हुए टोहाना आ रही थी। गांव जलालपुर शेखा में रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है, इसलिए रास्ते को बंद किया हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त सड×क निर्माण में गड़बड़ी की गई थी, जिसके चलते मिट्टी धंसने से हादसा हुआ है, इस मामले की पूरी जांच होनी चाहिए। यह बस फतेहाबाद से रतिया, टोहाना, पातडा के रास्ते पटियाला होकर चंडीगढ़ जानी थी।

कानपुर हाईवे पर भीषण सडक हादसे में 4 की मौत, दो घायल

इटावा/एजेंसी। कानपुर हाईवे पर बुधवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। इटावा के इकदिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुए इस हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक महिला और तीन पुरुष शामिल हैं। वहीं, दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है।

इटावा के इकदिल में हुए इस हादसे के पीछे कहा जा रहा है कि कार चालक को झपकी लग गई थी। जिसके चलते वह कार पर संतुलन संभाल नहीं सका। बुधवार सुबह 6.30 बजे हुई इस घटना की सूचना मिलने पर इकदिल पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं, दमकल विभाग को भी घटना की सूचना दी गई। घंटों की मशक्कत के बाद दमकल विभाग के कर्मियों और पुलिस कर्मियों ने कार में फंसे शवों को बाहर निकाला।

शाहपुरा में निकली विशाल हिंदू आक्रोश रैली

चमकता राजस्थान

शाहपुरा जयपुर ग्रामीण के शाहपुरा कस्बें में हिंदू समाज द्वारा बांग्लादेश में हो रहे हिंदू उत्पीड़न एवं अत्याचार के विरोध में विशाल हिंदू आक्रोश रैली निकाली गई बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के पक्ष में तख्ता पलट के बाद षडयंत्र पूर्वक किए जा रहे हिंदू नरसंहार एवं अत्याचार के विरोध में सर्व हिंदू समाज द्वारा संपूर्ण देश भर में हो रहे विरोध प्रदर्शन के स्वरूप शाहपुरा में हिंदू आक्रोश रैली का आयोजन हुआ। यह रैली शाहपुरा के कृषि उपज मंडी प्रांगण से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्ग से होती हुई पिपली तिराहा मुख्य बाजार से चौपड़ पहुंची ।रास्ते में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा के लिए एवं अत्याचार बंद हो इसके लिए घोष के साथ बांग्लादेशी हिंदुओं के समर्थन में नारे लगाते जा रहे थे। रैली का शुभारंभ परमानंद धाम खोरी के पूज्य संत श्री हरिओम दास महाराज द्वारा किया गया। उपस्थित सभी जनों के हाथ में स्लोगन लिखी तख्तियां भगवा पताकाएं लेकर चल रहे थे। संपूर्ण रैली का वातावरण भगवामय एवं हिंदू शक्ति का प्रकटीकरण था। विशेष रूप से महिलाओं ने भी रैली में भाग लिया। रैली के मार्ग में उपस्थित हिंदू समाज द्वारा जयकारों के साथ रैली का समर्थन किया जा रहा था एवं स्थान स्थान पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया । चौपड़ में पहुंचने पर रैली का समापन श्री हनुमान चालीसा सामूहिक पाठ एवं महाराज श्री के आशीर्वचन के साथ हुआ महाराज श्री ने उपस्थित हिंदुओं को संदेश दिया की हर हिंदू अपनी सुरक्षा के लिए तैयार रहे।

कोटपूतली के बाछड़ी मोहल्ला में स्थित बैंक वाली गली में फायरिंग होने की सूचना।

● मोहल्ले वासियों में फैली दहशत।

चमकता राजस्थान। कोटपूतली- बहरोड, (धर्मेंद्र बंसल) 21 अगस्त 2024 को श्याम को लगभग 6:00 बजे 2 बाइकों पर सवार होकर आए युवकों ने फायरिंग की घटना को अंजाम दिया। घटना का कारण आपसी रंजिश बताया जा रहा है। रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच में झगड़ा हुआ था, जिसमें एक पक्ष द्वारा फायर किए गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से ज्ञात हो रहा था कि दोनों पक्ष एक दूसरे के पीछे भागते, दौड़ते नजर आ रहे थे । आसपास के रहने वाले लोगों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन समाचार लिखे जाने तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंच पाई।

लीड ग्रुप सर्वेक्षण ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) दिशा निर्देशों को किया मान्य, मल्टी-मॉडल शिक्षा से मिलता है परिणाम

मल्टी-मॉडल लर्निंग का उपयोग करने वाले स्कूलों का प्रदर्शन केवल पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करने वाले स्कूलों की तुलना में बेहतर है

चमकता राजस्थान

बीकानेर, 21 अगस्त, 2024: भारत के अग्रणी स्कूल एडटेक, लीड ग्रुप ने भारत में स्कूली शिक्षा की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करने वाले एक नए अध्ययन, 'द पल्स ऑफ स्कूल लीडर्स सर्वे' जारी किया है। इसके महत्वपूर्ण निष्कर्षों में, जो स्कूल अपने छात्रों को मल्टी-मॉडल शिक्षा प्रदान करते हैं, वे खुद को उन स्कूलों की तुलना में बेहतर मानते हैं जो केवल पाठ्यपुस्तकों जैसे पारंपरिक रूपों का उपयोग करते हैं।

राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण लगभग 1.7 लाख छात्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 500 से ज्यादा निजी स्कूलों की रेटिंग पर आधारित था। स्कूलों को छात्रों के सीखने के चार महत्वपूर्ण परिणामों झ वैचारिक समझ, आत्मविश्वास, अंग्रेजी बोलना और शिक्षा की समग्र गुणवत्ता के आधार पर खुद को रेटिंग देने के लिए कहा गया था।

अधिकांश स्कूलों ने वैचारिक समझ और पूरी क्वलिटी पर खुद को उच्च दर्जा दिया। छात्रों के आत्मविश्वास के स्तर और अंग्रेजी बोलने के कौशल में अंतर था। इसके अलावा, राजस्थान में स्कूल लीडरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की कमी और छात्रों के बीच सीखने के कम परिणाम हैं

सर्वेक्षण उन स्कूलों के प्रदर्शन में स्पष्ट अंतर दिखाता है जो लीड जैसी एकीकृत प्रणालियों का उपयोग करते हैं, बनाम उन स्कूलों के प्रदर्शन में जो केवल पाठ्यपुस्तकों जैसे पारंपरिक रूपों पर निर्भर हैं। यह उल्लेखनीय है कि इंटीग्रेटेड सिस्टम अपनी पाठ योजनाओं में सीखने के विभिन्न तरीकों को जोड़ते हैं जिनमें पाठ्यपुस्तकों, वीडियो और गतिविधियां शामिल हैं। इन विभिन्न दृष्टिकोणों की सिफारिश राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 द्वारा की गई है, जो इस बात पर जोर देता है कि सीखना पारंपरिक पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़ना चाहिए।

पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की कमी और छात्रों के बीच सीखने के कम परिणाम राजस्थान के स्कूलों के सामने आने वाली प्राथमिक चुनौतियां हैं

मुख्य विषयों में वैचारिक समझः एकीकृत प्रणालियों का उपयोग करने वाले 93% से अधिक स्कूलों का मानना है कि उनके छात्र गणित और विज्ञान की वैचारिक समझ में बेहतर हैं, जबकि अन्य स्कूलों में केवल 85% ही हैं।

- आत्मविश्वास का स्तरः इंटीग्रेटेड सिस्टम का उपयोग करने वाले 87% स्कूल लीडर अपने छात्रों में अच्छे आत्मविश्वास के स्तर की रिपोर्ट करते हैं, जबकि केवल 78% अन्य स्कूल भी यही रिपोर्ट करते हैं।

- अंग्रेजी दक्षताः इंटीग्रेटेड सिस्टम के माध्यम से मल्टी-मॉडल शिक्षा प्रदान करने वाले 79% स्कूल लीडर अपने छात्रों को अंग्रेजी बोलने में सहज बताते हैं, जबकि अन्य स्कूलों में यह 73% है।

- क्व लिटी वाली शिक्षाः अधिकांश स्कूलों ने अपनी शिक्षा की क्वलिटी को अच्छा बताया। हालाँकि, इंटीग्रेटेड सिस्टम का उपयोग करने वाले तीन में से एक स्कूल ने अपनी क्वलिटी को उच्च रेटिंग दी, वहीं चार अन्य स्कूलों में से केवल एक ने खुद को उच्च रेटिंग दी।

विशेष रूप से राजस्थान में, इंटीग्रेटेड सिस्टम का उपयोग करने वाले 85% स्कूल प्रमुखों का मानना है कि अन्य स्कूलों के 82% की तुलना में उनके छात्र गणित और विज्ञान की वैचारिक समझ में उत्कृष्ट हैं।

लीड ग्रुप के 'द पल्स ऑफ स्कूल लीडर्स सर्वे' के अनुसार, इंटीग्रेटेड सिस्टम का उपयोग करने वाले प्रिंसिपल और स्कूल मालिक उपरोक्त छात्र परिवर्तन का श्रेय स्मार्ट क्लासरूम और एक्टिविटी किट (48% स्कूल लीडर), केंद्रित शिक्षक प्रशिक्षण (33% स्कूल लीडर) के उपयोग के साथ मल्टीमॉडल लर्निंग को देते हैं और ईएलजीए (लीड का अनूठा कार्यक्रम जो अंग्रेजी को एक कौशल के रूप में सिखाता है) और कोडिंग (29% स्कूल लीडर) जैसे पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण इनोवेशन कर रहे हैं।

सर्वेक्षण में स्कूलों के सामने आने वाली आकांक्षाओं और चुनौतियों की भी जांच की गई। स्कूलों की शीर्ष आकांक्षा अकादमिक उत्कृष्टता के लिए जानी जानी है और दूसरी सर्वोच्च आकांक्षा तकनीक-प्रेमी होना है, जो स्पष्ट रूप से टेक्नोलॉजी के महत्व को दर्शाता है। स्कूलों के सामने आने वाली शीर्ष दो चुनौतियाँ पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की कमी और छात्रों के कम सीखने के कौशल हैं, जो दर्शाता है कि लोकप्रिय धारणा के विपरीत, अधिकांश निजी स्कूल किफायती हैं, जो निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों को पूरा करते हैं।

सर्वेक्षण पर प्रतिक्रिया देते हुए लीड समूह के सीईओ और सह-संस्थापक सुमीत मेहता ने कहा, ''स्कूल हमारे भविष्य की धुरी हैं। उनकी आकांक्षाओं, उनकी चुनौतियों और क्या काम कर रहा है और क्या बदलने की जरूरत है, यह जानना महत्वपूर्ण है। हम शिक्षकों को सशक्त बनाने के लिए मल्टी-मॉडल लर्निंग और टेक्नोलॉजी का उपयोग करने में विश्वास रखते हैं और ये सर्वेक्षण परिणाम हमारे विश्वास को और मजबूत करते हैं।

मेहता ने कहा, ''हमारा लक्ष्य देश के प्रत्येक बच्चे के लिए विश्व स्तरीय शिक्षा को सुलभ बनाना है, उन्हें उन कौशल और ज्ञान से लैस करना है जिनकी उन्हें 21वीं सदी में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यकता होगी। पिछले महीने चार साल पूरा करने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक मजबूत ढांचा प्रदान करती है जो भारत को सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अपने दृष्टिकोण को साकार करने और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में सक्षम बनाती है।

संक्षिप्त खबरें

भारत बंद का राजस्थान में मिलाजुला असर

जयपुर। अनुसूचित जाति-जनजाति के आरक्षण में क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में कई संगठनों ने बुधवार को भारत बंद का आह्वान किया है। बंद का मिलाजुला असर राजस्थान के कई जिलों में देखा जा रहा है। जयपुर, अजमेर, सवाई माधोपुर, सीकर में भी सभी बाजार, स्कूल बंद हैं। पाली में समिति की टीमों ने जबरन दुकानें बंद करवाईं। अलवर में रोडवेज बसों का संचालन नहीं हो रहा हैए इसके चलते यात्री परेशान है। पुलिस-प्रशासन के अधिकारी संघर्ष समिति के लोगों से समझाइश कर रहे हैं। सभी से अपील की गई है कि वे प्रदर्शन व रैली को शांतिपूर्ण रखें। इससे पहले मंगलवार को ही 16 जिलों में आज के लिए स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई थी। भरतपुर में सुबह नौ से शाम छह बजे तक इंटरनेट भी बंद रहेगा। बंद के आह्वान पर भाजपा नेता किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट के फैसले के साथ हैं।

चार युवकों का वीजा लगवाने के नाम पर 40 लाख ठगे, धोखाधड़ी का केस दर्ज

फतेहाबाद। शहर के साथ लगते गांव धांगड़ व नाढोडी के 4 युवकों का वीजा लगवाने के नाम पर एक युवक द्वारा 40 लाख की ठगी करने का मामला सामने आया है। इस बारे पीड़ित युवक ने पुलिस को शिकायत दर्ज कार्रवाई, जिसके बाद बुधवार को पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव धांगड़ निवासी सुखविन्द्र सिंह ने कहा है कि उसके मामा के लडके प्रमोद कुमार निवासी भोड़ि बिश्नोईयान ने मण्डी आदमपुर में फ्यूचर प्वाइंट नाम से ऑफिस खोला हुआ है और वह युवक-युवतियों को विदेश भेजने का काम करता है। वह भी करीब एक साल से उसके पास नौकरी करता था। रिश्तेदारी में होने के कारण प्रमोद ने उसे विश्वास में लिया और कहा कि उसके गांव के किसी लडके का वीजा लगवाना हो तो वह लगवा सकता है। इस पर गांव धांगड़ के सुखविन्द्र, रविन्द्र व मोहित तथा गांव नाढोडी निवासी विष्णु का वीजा लगवाने के लिए उन्होंने मार्च-अप्रैल 2024 में प्रमोद को कुल 45 लाख रुपये दे दिए। इसके बाद भी प्रमोद ने इनका वीजा नहीं लगवाया।

स्टील कारोबारी के पुत्र की गोली मारकर हत्या

सरगुजा/रायपुर। सरगुजा जिले के गांधीनगर थाना क्षेत्र में स्टील कारोबारी के पुत्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। युवक मंगलवार शाम से लापता था, बुधवार सुबह उसकी लाश जंगल किनारे कार में मिली है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और विभाग के आलाधिकारी मौके पर पहुंच जांच शुरू कर दी है। वहीं मामले में पुलिस ने एक संदेही को हिरासत में लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अंबिकापुर के मनेद्रगढ़ रोड निवासी अंबिका स्टील के संचालक महेश केड़िया के पुत्र अक्षत अग्रवाल की लाश सुबह गांधीनगर थाना क्षेत्र के चठिरमा जंगल में मिली है। युवक के शव को उसके कार में ही बरामद किया गया है।

खड़े ट्रक में पीछे से घुसी कार, चार की मौत

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जनपद में थाना इकदिल क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाइवे पर दिल्ली से हमीरपुर जा रही कार खड़े ट्रक में पीछे से घुस गई। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर कार में फंसे लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है। हादसे में मरने वालों में तीन पुरुष और एक महिला शामिल हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने बताया कि थाना इकदिल क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाइवे पर दिल्ली से हमीरपुर जा रही तेज रफ्तार कार खड़े ट्रक में पीछे से जा टकराई। इस भीषण हादसे की सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन कर कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

बाइक खड़े ट्रक से टकराई, एक की मौत

अनूपपुर। थाना कोतमा अंनगर्त राष्ट्रीय राजमार्ग 43 में मंगलवार-बुधवार की रात्रि 35 वर्षीय युवक की तेज रफ्तार दो पहिया वाहन अनियंत्रित होकर सीधे खड़े ट्रक के नीचे जा घुसा। जिससे युवक की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई,वही दूसरे युवक की हालत गंभीर हैं। इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में चल रहा हैं। कोतमा पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी हैं। एसडीओपी सुमित क्रेरकेट्टा ने बताए की कोतमा बिजुरी राष्ट्रीय राजमार्ग 43 में राखड की गाड़ियां खड़ी हुई थी। तभी कोतमा की तरफ से आ रहें दो पहिया वाहन में सवार दो युवक राखड से भरे खड़े ट्रक में जा घुसे। इस सड़क हादसे में दो पहिया वाहन में सवार 35 वर्षीय परमेश्वर केवट पुत्र राम प्रसाद केवट निवासी भालूगुड़ा बिजुरी की मृत्यु हो गई। वही विशाल कोल गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसका इलाज चल रहा है। घटना देर रात की बताई जा रहीं हैं।

राजनीतिक लाभ के लिए सरकारी खजाना लुटने नहीं दूंगा: सुखविंद्र

- एक वर्ष में अर्थव्यवस्था बीस प्रतिशत सुधरी है
- जीएसटी कलेक्शन भी बेहतर हुआ है

सोलन। एजेंसी

राजनीतिक लाभ के लिए मैं सरकारी खजाने को लुटने नहीं दूंगा। साधन संपन्न लोगों को बिजली और पानी पर सब्सिडी नहीं दी जाएगी तथा सरकार द्वारा इसका युक्तिकरण किया जा रहा है, ताकि गरीब व्यक्ति को लाभ मिले। सरकार द्वारा उठाए कदमों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है।

एक वर्ष में अर्थव्यवस्था बीस प्रतिशत सुधरी है। हिमाचल प्रदेश में जीएसटी कलेक्शन भी बेहतर हुआ है। मंगलवार को एक दिवसीय सोलन दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार इस वित्त वर्ष में प्रत्येक 100 रुपये में से वेतन पर 25 रुपये, पेंशन पर 17 रुपये, ब्याज पर 11 रुपये, कर्ज अदायगी पर नौ रुपये, स्वायत्त संस्थानों की ग्रांट पर 10 रुपये और बचे हुए 28 रुपये पूंजीगत व्यय और अन्य गतिविधियों पर खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को मिलने वाला राजस्व घाटा अनुदान भी कम हुआ है। वर्ष 2021-22 में अनुदान के रूप में राज्य सरकार को 10 हजार करोड़ रुपये मिलते थे जबकि वर्ष 2025-26 में यह अनुदान घट कर तीन हजार करोड़ रुपये रह जाएगा, लेकिन इसके बावजूद वर्तमान राज्य सरकार का विजन हिमाचल प्रदेश को व्यवस्था परिवर्तन से आत्मनिर्भर बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार को पिछली भाजपा सरकार से 75 हजार करोड़ रुपये का कर्ज और 10 हजार करोड़ रुपये की बकाया देनदारियां विरासत में मिलने के बावजूद 20 माह के अपने कार्यकाल में राज्य सरकार ने कर्मचारियों को सात प्रतिशत मंहगाई भत्ता प्रदान किया है और इस वर्ष 75 वर्ष से अधिक आयु के 28 हजार पेंशन भोगियों को एरियर का भुगतान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी कर्मचारी मेरे परिजनों के समान है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए अभी छः माह का और समय लगेगा। प्रदेश की अर्थव्यवस्था के पटरी पर आने पर एरियर और मंहगाई भत्ते प्रदान किए जाएंगे।उन्होंने कहा कि हम हिमाचल प्रदेश में लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना चाहते हैं और राज्य सरकार सुशासन पर ध्यान दे रही है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश काफी नीचे खिसक गया है। इसलिए इन क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर सुधार किए जा रहे हैं।

भीलवाड़ा- शाहपुरा में भारत बंद का असर, प्रशासन की कड़ी निगरानी

भीलवाड़ा। एजेंसी

भीलवाड़ा और शाहपुरा जिलों में बुधवार को भारत बंद का मिलाजुला असर देखने को मिला। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसूचित जाति (एससी) और जनजाति (एसटी) आरक्षण में क्रिमिलेयर लागू करने के फैसले के विरोध में अजा-जजा संगठनों द्वारा बुलाए गए इस बंद ने दोनों जिलों में जनजीवन को प्रभावित किया। औद्योगिक नगरी भीलवाड़ा में सुबह से ही बंद का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। स्कूल, कॉलेज, दुकानें, और बाजार सभी बंद रहे, जिससे पूरे शहर में सन्नाटा पसरा रहा। बंद के आह्वान के कारण आम लोग भी अपने घरों में ही रहने को मजबूर हुए। महत्वपूर्ण यह है कि बंद का समर्थन व्यापार संघ ने भी किया, जिसके चलते शहर की सभी प्रमुख बाजारें बंद रहीं। भीलवाड़ा जिला प्रशासन ने बंद को देखते हुए सभी सरकारी और निजी स्कूलों, कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी स्कूलों, और कोचिंग सेंटरों में अवकाश घोषित कर दिया था। इसके साथ ही, पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर व्यापक इंतजाम किए थे। शहर के प्रमुख चैराहों और बाजारों में पुलिस बल तैनात किया गया था, जो लगातार गश्त कर रहा था।

व्यापार संघ द्वारा बंद को दोपहर 2 बजे तक का समर्थन मिलने के बावजूद, आमजन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने मेडिकल और अन्य आवश्यक सेवाओं को चालू रखा था। इसके बावजूद, चाय, नाश्ते, और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की दुकानों के बंद रहने से लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

भारत से प्रत्यर्पण मांग के बीच शेख हसीना और उनके सहयोगियों के खिलाफ मामले दर्ज

ढाका। एजेंसी

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके सहयोगियों के खिलाफ कम से कम नौ और शिकायतें दर्ज की गईं जिससे उनके खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या 31 हो गई। वहीं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर देश में क्रांति (सरकार के खिलाफ प्रदर्शन) को बाधित करने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को भारत से कहा कि हसीना को प्रत्यर्पित किया जाए ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके। फखरुल ने एक समाचार पत्र में दिए बयान में कहा, भारत से हमारी मांग है कि शेख हसीना को कानूनी तरीके से बांग्लादेश की सरकार के हवाले कर देना चाहिए। इस देश की जनता ने उन पर मुकदमे का फैसला किया है। उन पर मुकदमा चलने दें। हसीना के खिलाफ दर्ज मामलों में हत्या के 26, मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के चार और अपहरण के एक मामले शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, उच्चतम न्यायालय के वकील गाजी एमएच तमीम ने हिफाजत-ए-इस्लाम के संयुक्त महासचिव (शिक्षा और कानून) मुफ्ती हारुन इजहार चौधरी की ओर से बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में हसीना और 23 अन्य पर पांच मई 2013 को मोतीझील के शापला छतर में हिफाजत-ए-इस्लाम रैली के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार करने का आरोप लगाया गया है। अखबार ने जांच एजेंसी के उप निदेशक (प्रशासन) अताउर रहमान के हवाले से कहा, हमने शिकायत दर्ज कर ली है और आज से जांच शुरू कर दी गई है। यह अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में दर्ज की गई चौथी शिकायत है, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया गया है।

शेख हसीना ने सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर उनकी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद पांच अगस्त को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भारत आ गई थीं। चार में से तीन मामले हाल ही में आरक्षण आंदोलन पर केंद्रित हिंसा से जुड़े हैं। इसके अलावा, मंगलवार को देशभर में अवामी लीग की अध्यक्ष के खिलाफ आठ और मामले दर्ज किए गए, जिसमें उन पर हाल ही में विरोध प्रदर्शनों के दौरान की गईं हत्याओं के संबंध में आरोप लगाया गया।

तीन पुलों को यूक्रेन ने किया नष्ट, 92 बस्तियों पर कीव का कब्जा

कीव। एजेंसी

पश्चिमी रूस में सेयम नदी पर बने तीनों पुलों को यूक्रेन की सेना ने नष्ट कर दिया है । रूसी सूत्रों ने यह जानकारी दी। पश्चिमी रूस में यूक्रेन का आक्रमण मंगलवार को तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया। वहीं यूक्रेनी सेना ने कुर्स्क में रूस की 1,250 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र और 92 बस्तियों पर कब्जा कर लिया है। रूस के कुर्स्क क्षेत्र में कीव के आक्रमण से युद्ध की दिशा बदल रही है और यूक्रेन की युद्ध से थकी हुई जनता का मनोबल बढ़ रहा है। हालांकि इस आक्रमण के अंतिम परिणाम की भविष्यवाणी करना अभी संभव नहीं है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस पर किया गया यह पहला हमला है। यूक्रेन रूसी क्षेत्र में अपनी सफलता का जश्न मना रहा है, वहीं दूसरी ओर पूर्वी यूक्रेन में रूस एक अन्य प्रमुख केंद्र, पोक्रोवस्क पर भी कब्जा करने की ओर अग्रसर है। कुर्स्क में सेयम नदी पर बने तीन पुलों पर यूक्रेन के हमले से रूसी सेनाएं नदी, यूक्रेनी अग्रिम मोर्चे और यूक्रेनी सीमा के बीच फंस सकती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि 6 अगस्त को यूक्रेन द्वारा शुरू किए गए कुर्स्क आक्रमण पर रूस की जवाबी प्रतिक्रिया धीमी पड़ रही है।

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में कीव के आक्रमण से युद्ध की दिशा बदल रही है और यूक्रेन की युद्ध से थकी हुई जनता का मनोबल बढ़ रहा है

यूक्रेन के वायुसेना कमांडर ने सेयम नदी पर बने पुलों पर हमले के दो वीडियो पोस्ट किए। प्लैनेट लैब्स पीबीसी द्वारा ली गई उपग्रह तस्वीरों का विश्लेषण मंगलवार को एसोसिएटेड प्रेस द्वारा किया गया जिसमें पुष्टि हुई कि ग्लुश्कोवो शहर में एक पुल नष्ट हो गया है। एक रूसी सैन्य जांचकर्ता ने सोमवार को पुष्टि की कि यूक्रेन ने एक पुल को 'पूरी तरह से नष्ट' कर दिया है और क्षेत्र में दो अन्य को नुकसान पहुंचाया है।

वाराणसी-लखनऊ राजमार्ग पर ट्रक पलटा, खलासी की मौत

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के वाराणसी लखनऊ राजमार्ग पर हौज टोल प्लाजा के पास बुधवार सुबह अनियंत्रित ट्रक पोल से टकराते हुए गड्ढे में जाकर पलट गया। हादसे में खलासी की जान चली गयी। वहीं, ट्रक में लदी चार गाय, दो बछड़े भी मर गये, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल है। औरैया जनपद में रहने वाला ट्रक चालक अकील (40) और खलासी आसिफ (20) के साथ इटावा जनपद से पांच गाय, तीन बछड़ों को लादकर बिहार के चौसा बाजार में लगने वाले पशु मेले में जा रहा था। हौज टोलप्लाजा के पास अनियंत्रित होकर ट्रक हाइवे के किनारे लगे संकेतक खम्भे से टकराते हुए गड्ढे में चला गया। घटना में चालक व खलासी ट्रक में फंस गये। सूचना पर थानाप्रभारी जयप्रकाश तत्काल मय फोर्स मौके पर पहुंचकर चालक और खलासी को किसी तरह से बाहर निकलवाया। दोनों को आनन-फानन में जिला चिकित्सालय भिजवाया, जहां चिकित्सक ने खलासी आसिफ को मृत घोषित कर दिया। चालक अकील की हालत भी गम्भीर है। घायल को भर्ती कराते हुए मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए कार्रवाई की गई।

उफनाती नदी में बहे तीन युवक

देहरादून। नैनीताल व देहरादून में बुधवार को उफनाती नदी के तेज बहाव में तीन युवक बह गए। हालांकि स्थानीय लोगों ने एक युवक को बचा लिया। एसडीआरएफ टीम के उप निरीक्षक मनोज रावत ने बताया कि आपदा कंट्रोल रूम नैनीताल से सूचना मिली कि कोटा बाग के पास एक व्यक्ति नदी में बह गया है। रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची एसडीआरएफ टीम ने सर्च अभियान चलाया। कड़ी मशक्कत के बाद एसडीआरएफ टीम ने नदी में बहे व्यक्ति का शव बरामद किया और बाहर निकालकर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। मृतक की पहचान मनीष सती (29) पुत्र विपिन चंद निवासी ग्राम क्यारी रामनगर के रूप में हुई। इसके अतिरिक्त एसडीआरएफ कंट्रोल रूम देहरादून को सूचना मिली कि पुरुकुल गांव के निकट एक नदी में दो लड़के डूब गए हैं। सूचना मिलते ही तत्काल सहस्त्रधारा पोस्ट से हेड कांस्टेबल सुशील कुमार के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

इनेलो-बसपा गठबंधन सरकार बनने पर जनता के लिए होगा जनता का राजः सुनैना

फतेहाबाद। एजेंसी

वरिष्ठ इनेलो नेता सुनैना चौटाला ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा ने अपने 10-10 सालों के शासनकाल में फतेहाबाद की जनता के साथ भेदभाव किया है। इन 20 सालों में फतेहाबाद विकास के मामले में काफी पिछड़ गया है जबकि इससे पूर्व ओमप्रकाश चौटाला के 5 साल के शासनकाल में फतेहाबाद में रिकार्ड विकास कार्य करवाए गए थे। इस बार के विधानसभा चुनाव में फतेहाबाद की जनता बदलाव के लिए वोट करेगी और यहां से इनेलो-बसपा गठबंधन का प्रत्याशी रिकार्ड वोटों के साथ जीत दर्ज करेगा।

सुनैना चौटाला पूर्व उपमुख्यमंत्री जननायक चौधरी देवीलाल की जयंती पर 25 सितम्बर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर फतेहाबाद दौरे पर हैं। सुनैना चौटाला ने शहर में दर्जनभर स्थानों पर आयोजित जलपान कार्यक्रमों में भाग लिया। इन कार्यक्रमों में पहुंची इनेलो नेता सुनैना चौटाला का शहरवासियों ने जोरदार स्वागत किया और सभी ने एक स्वर में सुनैना चौटाला से फतेहाबाद से चुनाव लड़े का आग्रह किया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए सुनैना चौटाला ने कहा कि इस बार भी जननायक चौधरी देवीलाल की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। इसको लेकर वे फतेहाबाद के दौरे पर हैं।

भारत में ई-कॉमर्स के विकास के लिए संतुलित दृष्टिकोण की जरूरत : गोयल

नई दिल्ली। एजेंसी

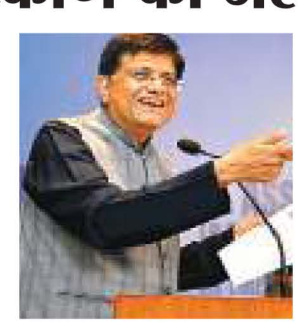

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ई-कॉमर्स का विकास नागरिक केंद्रित हो। उन्होंने कहा कि देश में 100 मिलियन छोटे खुदरा विक्रेताओं के लिए कोई व्यवधान न हो, ये सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। वाणिज्य मंत्री गोयल ने राजधानी नई दिल्ली में पहले इंडिया फाउंडेशन की 'भारत में रोजगार और उपभोक्ता कल्याण पर ई-कॉमर्स का शुद्ध प्रभाव' पर एक रिपोर्ट को लॉन्च करते हुए यह बात कही।

रिपोर्ट विमोचन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स के विकास से समाज के बड़े वर्ग के बीच लाभों के वितरण का लोकतंत्रीकरण होना चाहिए। उन्होंने व्यापार समुदाय और विशेषज्ञों से आग्रह किया कि वे देश की जरूरतों के संदर्भ में ई-कॉमर्स के प्रभाव का विस्तृत और वैज्ञानिक तरीके से सावधानीपूर्वक अध्ययन और मूल्यांकन करें। गोयल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में ई-कॉमर्स के विकास के लिए संतुलित दृष्टिकोण की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था की रक्षा करने और उन लोगों का समर्थन करने के महत्व को रेखांकित किया, जिन्हें अभी भी सकारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो छोटे खुदरा विक्रेताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों दोनों के लिए ही निष्पक्ष और न्यायसंगत विकास सुनिश्चित करता है। वाणिज्य मंत्री ने स्थानीय व्यवसायों और रोजगार, विशेष रूप से फार्मेसियों और मोबाइल फोन मरम्मत की दुकानों जैसे क्षेत्रों पर ई-कॉमर्स के प्रभाव के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की।

तीर्थस्थल › बेट द्वारका में 'सुदर्शन सेतु' के निर्माण के बाद यात्रियों की संख्या में हुई वृद्धि

राज्य सरकार ने की 150 करोड़ रुपये की बड़ी राशि आवंटित

द्वारका। एजेंसी

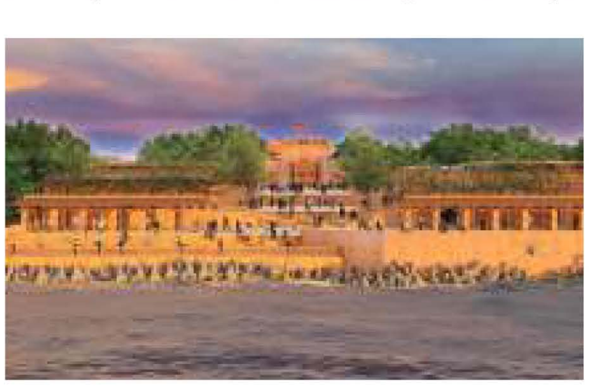

बेट द्वारका में 'सुदर्शन सेतु' के निर्माण के बाद यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी तरह तीर्थस्थल और आस्था के साथ पौराणिक महत्व रखने वाले भगवान श्रीकृष्ण की 'बेट द्वारका' के विश्व स्तरीय कायाकल्प के लिए पर्यटन मंत्री मूलुभाई बेड़ा के मार्गदर्शन में गुजरात पर्यटन निगम ने मास्टर प्लान तैयार किया है। इस प्लान के तहत तीन चरणों में मंदिर परिसर, बीच और उसके आसपास के क्षेत्रों का विकास किया जाएगा। इसके पहले चरण के लिए राज्य सरकार ने 150 करोड़ रुपये की बड़ी राशि आवंटित की है। गुजरात पर्यटन निगम के अनुसार इस द्वीप के पहले चरण के विकास के लिए राज्य सरकार ने 150 करोड़ रुपये की बड़ी राशि आवंटित की गई है, जिसकी टेंडरिंग प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है। आने वाले समय में इस द्वीप के फेज-2 और 3 के विकास कार्य शुरू किए जाएंगे।

पर्यटन निगम की एक रिपोर्ट के अनुसार बेट द्वारका विकास परियोजना के फेज-1 में द्वारकाधीशजी मंदिर का विकास, सड़क सुंदरीकरण, हेरिटेज स्ट्रीट का विकास, शंखनारायण मंदिर और तालाब का विकास, नॉर्थ बीच विकास, सार्वजनिक बीच, पर्यटक विजिटर सेंटर और हाट बाजार और हिल्लॉक पार्क के साथ व्यूइंग डेक का निर्माण किया जाएगा।

बेट द्वारका पुनर्विकास परियोजना के फेज-2 में दांडी हनुमान मंदिर और बीच विकास, अभय माता मंदिर और सनसेट पार्क, नेचर और मरीन इंटरप्रिटेशन सेंटर, स्किल डेवलपमेंट सेंटर, कम्युनिटी लेक विकास और रोड एवं साइन का निर्माण किया जाएगा। इसी तरह बेट द्वारका विकास परियोजना के फेज-3 में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम, कम्युनिटी लेक विकास और लेक अराइवल प्लाजा तैयार किया जाएगा।

बेट द्वारका द्वीप विकास के फेज-1 के मुख्य आकर्षण

मंदिर परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों का विकास बेट द्वारका विकास के मास्टर प्लान के अनुसार किया जाएगा। मंदिर परिसर में यात्रियों की सुविधा के लिए चार दिशाओं में प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। जिसमें सुदामा सेतु से बेट द्वारका गांव की ओर जाने वाली सड़क, समुद्री मार्ग से मुख्य प्रवेश द्वार तक का रास्ता बनाया जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मंदिर में भीड़ न हो इसके लिए पुरुष और महिलाओं की दर्शन लाइनें अलग-अलग बनाई जाएंगी और दिव्यांगों को कोई असुविधा न हो इसके लिए इस मास्टर प्लान को डिजाइन किया गया है।

नॉर्थ-पद्म बीच पर विकसित होंगी सुविधाएं

बेट द्वारका का यह नॉर्थ बीच सर्दियों के मौसम में 'डॉल्फिन' देखने के लिए प्रसिद्ध है। यहां एक अनोखा 'पद्म' नामक शंख मिलता है, इसलिए इस बीच को 'पद्म बीच' भी कहा जाता है। मास्टर प्लान के अनुसार इस बीच पर पार्किंग, खाने-पीने के स्टॉल, बच्चों के खेल उपकरण, बैठने की सुविधा और टॉयलेट जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इस नॉर्थ बीच पर पर्यटक मनोरंजन और सूर्यास्त का शानदार दृश्य का आनंद ले सकेंगे। बेट द्वारका विकास योजना के अनुसार यहां पर्यटक विजिटर सेंटर वर्तमान में सुदामा सेतु से मंदिर परिसर जाने के रास्ते में बनाया जाएगा। जिसमें मंदिर की ऐतिहासिक जानकारी व विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी जाएगी।

आरक्षण के साथ कोई खिलवाड़ न करें भाजपा, कांग्रेस व अन्य दल : मायावती

लखनऊ। एजेंसी

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने नेशनल कन्फेडरेशन आफ दलित एंड आदिवासी आर्गनाइजेशन के बुधवार को भारत बंद का समर्थन किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एससी-एसटी और ओबीसी को आरक्षण का मिला संवैधानिक हक डा. भीमराव अम्बेडकर के अनवरत संघर्ष का परिणाम है। भाजपा, कांग्रेस व अन्य पार्टियां इसकी अनिवार्यता एवं संवेदनशीलता के साथ कोई खिलवाड़ न करें।

मायावती ने एक्स पोस्ट में कहा कि बसपा का भारत बंद को समर्थन, क्योंकि भाजपा व कांग्रेस आदि दलों के आरक्षण विरोधी षड्यंत्र एवं इसे निष्प्रभावी बनाकर अन्ततः खत्म करने की मिलीभगत के कारण एक अगस्त 2024 को एससी-एसटी के उपवर्गीकरण एवं इनमें क्रीमीलेयर संबंधी सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विरुद्ध इनमें रोष एवं आक्रोश है। इसको लेकर इन वर्गों के लोगों द्वारा भारत बंद के तहत सरकार को ज्ञापन देकर संविधान संशोधन के जरिए आरक्षण में हुए बदलाव को खत्म करने आदि की मांग जबरदस्त है।

संक्षिप्त खबरें

युगांडा ने की एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए टीम घोषित

कंपाला। युगांडा एथलेटिक्स फेडरेशन (यूएएफ) ने 2024 विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप के लिए टीम की घोषणा की है, जो 27-31 अगस्त को पेरू के लीमा में आयोजित की जाएगी। चैंपियनशिप में कई ओलंपियन शामिल होंगे जिन्होंने हाल ही में पेरिस 2024 खेलों में भाग लिया था। इनमें ब्रैडली नकोआना और बयांडा वालाजा शामिल हैं, जिन्होंने पुरुषों की 4७100 मीटर रिले में दक्षिण अफ्रीका को रजत पदक दिलाने में मदद की, और इथियोपिया की सेम्बो अल्मायेव, जो महिलाओं की 3,000 मीटर स्टीपलचेज में पाँचवें स्थान पर रहीं। एस्टाडियो एटलेटिको डे ला विडेना में 134 टीमों के 1,700 से अधिक एथलीट प्रतिस्पर्धा करेंगे। युगांडा की टीम को हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले एथलीटों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, जैसे कि इथियोपिया की मदीना ईसा (5,000 मीटर) और जमैका की केरिका हिल (100 मीटर बाधा दौड़), दोनों ने 2022 में कैली में विश्व अंडर 20 चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में स्वर्ण पदक जीता था।

जनपद स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

मुरादाबाद। माध्यमिक विद्यालयों की दो दिवसीय जनपद स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ बुधवार को हुआ, जिसमें बालक वर्ग की प्रतियोगिता अब्बास इंटर कॉलेज तथा बालिका वर्ग की हैबिट मुस्लिम इंटर कॉलेज में आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्घाटन हैबिट मुस्लिम इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य नौमान जलील, अब्बास इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आफताबुद्दीन तथा मौलाना आजाद मुस्लिम गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या रहमत बी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर, पूर्व मंडलीय क्रीडा सचिव जीवन सिंह, शमशाद हुसैन, श्यामवीर सिंह, आफताब आलम, मेहंदी हसन, सचिन चौधरी, सुमित शर्मा, अर्जुन सिंह, विजय सिंह चौहान, राजपाल सिंह, नासिर हुसैन, भास्कर राघव, ज्योति शर्मा, दीपशिखा आदि शिक्षक/ शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

फारूक बने बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड के नये अध्यक्ष

ढाका। पूर्व मुख्य चयनकर्ता फारूक अहमद को बुधवार को बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का नया अध्यक्ष बनाया है। ढाका में नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (एनएससी) कार्यालय में हुई बीसीबी की बैठक में नजमुल हसन ने औपचारिक रूप से बताया कि उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है उसके बाद निदेशकों ने सर्वासम्मति से फारूक अहमद को बोर्ड का नया अध्यक्ष चुन लिया।

रौनक दहिया ने जीता अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक

रौनक ने मुकाबले में तुर्किये के एमुरूल्लाह कैपकन को 6-1 से हराया

● भारतीय खिलाड़ी सेमीफाइनल में हंगरी के जोल्टन जाको से 0-2 से हार गए थे

नई दिल्ली। एजेंसी

रौनक दहिया ने मंगलवार को जॉर्डन के अम्मान में चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन 110 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका में भारत का खाता खोला। मौजूदा विश्व नंबर दो खिलाड़ी रौनक ने कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में तुर्किये के एमुरूल्लाह कैपकन को 6-1 से हराया। इससे पहले, भारतीय खिलाड़ी सेमीफाइनल में हंगरी के जोल्टन जाको से 0-2 से हार गए थे। दिल्ली के प्रसिद्ध छत्रसाल स्टेडियम में प्रशिक्षण लेने वाले रौनक ने अपने अंडर-17 विश्व अभियान की शुरूआत आर्टुर मैनवेलियन पर 8-1 की जीत के साथ की और उसके बाद डेनियल मसलाको पर तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की।

कांस्य पदक की दौड़ में शामिल अन्य भारतीय पारधी साईनाथ हैं। पारधी 51 किग्रा में रेपेचेज राउंड के जरिए कांस्य पदक की दौड़ में हैं, जहाँ उनका सामना संयुक्त राज्य अमेरिका के मुनारेटो डोमिनिक माइकल से होगा। पारधी पहले राउंड में अजरबैजान के तुशान दशधिमिरोव से 1-5 से हार गए थे और बाद में वे फाइनल में पहुँच गए, जिससे भारतीय खिलाड़ी को कांस्य पदक जीतने का मौका मिला।

महिला टी20 विश्वकप अब यूएई में खेला जाएगा : आईसीसी

दुबई। एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बांग्लादेश में खराब हालातों को देखते हुए वहां अक्टूबर में में होने वाला आईसीसी महिला टी20 विश्वकप 2024 अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। महिला टी20 विश्व कप का आयोजन 3 से 20 अक्टूबर तक होगा। आईसीसी ने एक बयान में कहा महिला विश्वप का नौवां संस्करण अब यूएईमें खेला जाएगा हालांकि इसका मेजबान अब भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ही रहेगा। महिला टी20 विश्व कप 2024 के मैच यूएई के दो स्थानों दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। इसी को इसको लेकर आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, ह्यबांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी न करना हमारे लिए खेद की बात पर क्योंकि हम जानते हैं कि बीसीबी इसका सफल आयोजन करता पर देश के बदले हुए हालातों में ये संभव नहीं था।

साथ ही कहा कि मैं बीसीबी की टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इस आयोजन को बांग्लादेश में आयोजित करने के लिए सभी संभव प्रयास किये और सुरक्षा के लिए सेना प्रमुख को भी लिखा पर कोई परिणाम नहीं निकलने पर तटस्थ स्थल का विकल्प अपनाया।

टेस्ट सीरीज से पहले एक और अभ्यास मैच खेलना चाहते थे धनंजय

नई दिल्ली। एजेंसी

धनंजय डी सिल्वा ने स्वीकार किया है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी में कम से कम एक और अभ्यास मैच खेलना चाहते थे। यह श्रीलंका का आठ वर्षों में ब्रिटेन का पहला टेस्ट दौरा था। श्रीलंका ने पिछले सप्ताह न्यू रोड पर इंग्लैंड लायंस टीम के खिलाफ चार दिवसीय मैच खेला था और अपनी पहली पारी में केवल 139 रन बनाकर आउट हो गई थी, टीम को मैच में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

हालांकि मेहमान टीम ने खेल में बेहतर प्रदर्शन किया और दूसरे टेस्ट में बेहतर बल्लेबाजी की, लेकिन वे मैनचेस्टर में होने वाले टेस्ट में बिना किसी अतिरिक्त अभ्यास के उतरेंगे। धनंजय ने कहा एशियाई देशों की तुलना में यहां की परिस्थितियां काफी अलग हैं। हम कुछ मैच खेलना चाहते थे, लेकिन हमें वही मिला। उन्होंने एक बयान में कहा हम पूरी ताकत के साथ [वार्म-अप के लिए टीम] नहीं गए। हमने कुछ खिलाड़ियों को आजमाया भी है। नतीजा हमारे पक्ष में नहीं गया, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे पास तैयारी थी। यह इस मैच में काम आएगी। धनंजय, जिन्होंने अब तक अपने नेतृत्व में तीन टेस्ट मैचों में से प्रत्येक में श्रीलंका को जीत दिलाई है, ने माना कि 2018 के बाद से यह श्रीलंका की पहली टेस्ट सीरीज है जिसमें दो से अधिक टेस्ट शामिल हैं। जिससे शेड्यूल कड़ा हो सकता है और इसलिए, उनकी टीम संभावित रूप से एक और अभ्यास मैच से वंचित हो सकती है। हालाँकि, कप्तान ने माना कि उनकी टीम अच्छी मानसिक स्थिति में है।

टीपीएल सीजन 6 की मेजबानी करेगा मुंबई

सुमित नागल, ह्यूगो गैस्टन और मैग्डा लिनेट पर होंगी निगाहें

मुंबई। एजेंसी

टेनिस प्रीमियर लीग के एक बड़े और बेहतर संस्करण की तैयारियां जोरों पर हैं। लीग ने अपने छठे सीजन के लिए एक नया मेजबान शहर चुना है। देश की सबसे सफल खेल लीगों में से एक टीपीएल मुंबई में क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में वापस आ रही है, और इसका आयोजन 3 से 8 दिसंबर 2024 के बीच होना है। टेनिस प्रीमियर लीग 2024 में टेनिस की दुनिया के कुछ शीर्ष नाम भारत में अपने खेल का जलवा दिखायेंगे।

पुरुषों में, फ्रांस के ह्यूगो गैस्टन (विश्व नंबर 61) और इन-फॉर्म भारतीय ऐस सुमित नागल (विश्व नंबर 74 और भारत नंबर 1) मुख्य आकर्षण होंगे, जबकि महिलाओं के ड्रॉ में पोलैंड की मैग्डा लिनेट (विश्व नंबर 41) और अर्मेनियाई एलिना अवनेस्यान (विश्व नंबर 52) आकर्षण में से एक हैं। 5 सफल सीजन के बाद टीपीएल, धूमधाम और उत्सव के मामले में इण्डियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद सबसे आगे है। हर बार की तरह 25 पॉइंट्स के मनोरंजक फॉर्मेट में यह लीग प्रशंसकों के लिए रोमांचक टेनिस लेकर आ रहा है।

सभी फ्रेंचाइजी सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए कुल 5 मैच खेलेंगी। लीग का क्रांतिकारी प्रारूप टेनिस प्रशंसकों की कल्पना को समझता है। दो फ्रेंचाइजी के बीच सभी मैचों में पुरुष एकल, महिला एकल, मिश्रित युगल और पुरुष युगल शामिल होंगे। प्रत्येक टीम लीग चरण में कुल 500 अंक (100 अंक ७ 5 मैच) खेलेगी और अंक तालिका में शीर्ष 4 टीमें सेमीफाइनल के लिए अर्हता प्राप्त करेंगी। टेनिस प्रीमियर लीग की सह-संस्थापक मृणाल जैन ने कहा टेनिस दुनिया में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले खेलों में से एक है और सीसीआई जैसे प्रतिष्ठित स्थल से जुड़कर हमें बेहद खुशी हो रही है। मुंबई के लोग दुनिया के सबसे अच्छे खेल प्रशंसकों में से हैं और हम एक शानदार सीजन की उम्मीद कर रहे हैं, जिसमें अच्छी प्रतिस्पर्धा वाले खेल और हाई-ऑक्टेन एक्शन होंगे।

खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली फ्रेंचाइजी

पीबीजी पुणे जगुआर, बंगाल विजार्ड्स, पंजाब पैट्रियट्स, हैदराबाद स्ट्राइकर्स, गुजरात पैंथर्स, मुंबई लियोन आर्मी और गत विजेता बेंगलुरु एसजी पाइपर्स हैं। इसके अलावा, टीपीएल की जमीनी स्तर पर भी गहरी नजर है और वह यह सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक है कि भविष्य में टेनिस सितारों का स्वस्थ प्रवाह हो। इसे ध्यान में रखते हुए, टीपीएल ने पिछले साल अपना खुद का मोबाइल ऐप पेश करने के अलावा जिला रैंकिंग टूनार्मेंट आयोजित करने के लिए गुजरात राज्य टेनिस संघ (जीएसटीए), दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) और महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ (एमएसएलटीए) के साथ करार किया है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों से 100 से अधिक अकादमियां टीपीएल ऐप से संबद्ध हैं। टीपीएल ऐप भारत भर के टेनिस समुदाय को जोड़ता है और उन्हें एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देता है, और टेनिस खिलाड़ियों को अपनी प्रगति को ट्रैक करने में मदद करता है।

तेज गेंदबाजी आसान नहीं, इसमें महारत के लिए अनुशासन बेहद जरूरी : नवदीप सैनी

नई दिल्ली। एजेंसी

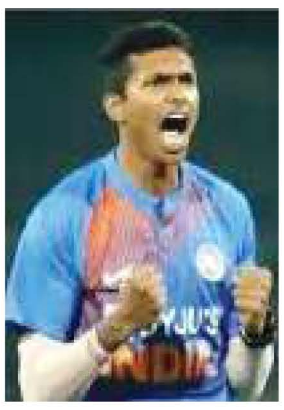

भारत के लिए 2 टेस्ट, 8 वनडे और 11 टी20 मैच खेल चुके तेज गेंदबाज नवदीप सैनी फिलहाल दिल्ली प्रीमियर लीग में वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से रफ्तार भर रहे हैं। इस तेज गेंदबाज का मानना है बेहतर गेंदबाजी करने के लिए अनुशासन और लगातार अभ्यास बेहद जरूरी है। अभी तक इस लीग में खेले गए अपने एकमात्र मैच में जीत हासिल करने वाली वेस्ट दिल्ली लायंस अपनी जीत की लय बरकरार रखना चाहती है। वह अपना अगला मुकाबला बुधवार को नई दिल्ली के श्री अरुण जेटली स्टेडियम में पुरानी दिल्ली 6 के साथ खेलेगी। टीम को लेकर नवदीप सैनी ने कहा हमारा पहला मैच बहुत अच्छा रहा और सभी चीजें हमारी योजना के अनुसार हुईं। खेल के दौरान सभी खिलाड़ी एक-दूसरे की हौसला आफजाई कर रहे थे। यह हम सभी टीम प्लेयर्स के लिए एक साथ खेलने का पहला मौका था और हमने एकजुट होकर अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा एक टीम के रूप में जब आप पहला मैच जीतते हैं तो यह वास्तव में टीम को आगे बढ़ने में मदद करता है।

वेस्ट दिल्ली लायंस की टीम:-

रितिक शौकीन, नवदीप सैनी, देव लाकड़ा, दीपक पुनिया, शिवांक वशिष्ठ, अखिल चौधरी, आयुष डोसेजा, कृष यादव, अनमोल शर्मा, जुगल सैनी, अंकित राजेश कुमार, विवेक यादव, आर्यन दलाल, मसाब आलम, एकांश डोबाल, शिवम गुप्ता, योगेश कुमार, सूर्यकांत चौहान, तिशांतडोनल, अब्राहम अहमद मसूदी।

ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट के दौरान ग्राहम थोर्प को श्रद्धांजलि देगा इंग्लैंड

लंदन। एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाड़ी बुधवार को मैनचेस्टर में श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की शुरूआत से पहले दिवंगत ग्राहम थोर्प को श्रद्धांजलि देंगे। 4 अगस्त को 55 साल की उम्र में थोर्प ने आत्महत्या कर ली थी, उनकी पत्नी अमांडा ने बताया कि वे गंभीर अवसाद और चिंता से पीड़ित थे। वे इंग्लैंड के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक थे, जिन्होंने 100 मैचों के टेस्ट करियर में 44.66 का औसत बनाया था, और बाद में 2021-22 एशेज दौरे के बाद उस भूमिका को छोड़ने तक इंग्लिश टीम के बल्लेबाजी और सहायक कोच रहे। उन्होंने बल्लेबाजी और सहायक कोच की भूमिका में श्रीलंका श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की अधिकांश टीम के साथ काम किया और जो रूट और बेन स्टोक्स के करियर में विशेष रूप से प्रभावशाली रहे। इंग्लैंड के पूर्णकालिक कप्तान के रूप में अपने पहले टेस्ट में, स्टोक्स ने टॉस के लिए थोर्प के नाम वाली शर्ट पहनी थी, इससे पहले उन्होंने खुद पर जान लेने की कोशिश की थी, जिसके कारण वे अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। स्टोक्स की जगह कप्तान के रूप में काम कर रहे ओली पोप ने मंगलवार को कहा हम पूरे खेल के दौरान अपनी काली बांह की पट्टियां बांधे रहेंगे और उससे पहले उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। इससे चेंजिंग रूम में बहुत से लोगों को ठेस पहुंची है। वे एक महान व्यक्ति थे। मैंने शायद दो या तीन साल उनके निर्देशन में में खेला था। मैं वास्तव में उनका प्रशंसक हूं।

उन्होंने कहा मुझे याद है कि उन्होंने मुझसे एक बात कही थी, 'कभी भी अपने द्वारा बनाए जा रहे रनों को अपने व्यक्तित्व से परिभाषित मत होने दो'। जब आप युवा होते हैं तो आप थोड़े ऊबाऊ होते हैं, मुझे यही सुनने की जरूरत थी। यह दर्शाता है कि वह कितने लोगों के बीच रहने वाले व्यक्ति थे। चेंजिंग रूम में उन्हें प्यार किया जाता था। उनका जाना सभी के लिए बहुत दुखद क्षति हैः देश, उनके परिवार और लड़कों के लिए भी, उनकी कमी खल रही है और हम इस सप्ताह उनका सम्मान करेंगे।

वाणिज्य

जीआरएम ओवरसीज ने सलमान खान को बनाया ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। एजेंसी

बासमती चावल के प्रमुख निर्यातक जीआरएम ओवरसीज लिमिटेड ने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को बासमती चावल और गेहूं का आटा के लिए अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। कंपनी ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि इस साझेदारी का उद्देश्य सलमान खान की प्रतिष्ठित स्थिति का लाभ उठाकर जीआरएम की ब्रांड उपस्थिति को मजबूत करना और वैश्विक स्तर पर उपभोक्ताओं से जुड़ना है। जीआरएम ओवरसीज के प्रबंध निदेशक (एमडी) अतुल गर्ग ने कहा कि सलमान खान की लोकप्रियता और उनका व्यापक प्रशंसक आधार कंपनी के बासमती चावल की 10 ब्रांड रेंज और गेहूं के आटे की 10 शक्ति श्रृंखला से मेल खाता है। वहीं, सलमान खान ने कहा कि मैं जीआरएम के साथ साझेदारी से खुश हूं। ब्रांड का गुणवत्ता तथा प्रमाणिकता के महत्व पर जोर मेरी सोच के अनुरूप है।

उल्लेखनीय है कि जीआरएम ओवरसीज लिमिटेड की स्थापना 1974 में की गई थी। ये कंपनी 42 से ज्यादा देशों को प्रीमियम बासमती चावल का निर्यात करती है। जीआरएम ओवरसीज शेयर बाजार के दोनों प्रमख सूचकांक बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध है।

गिरावट के बाद मिला खरीदारी का सपोर्ट

कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव

नई दिल्ली। एजेंसी

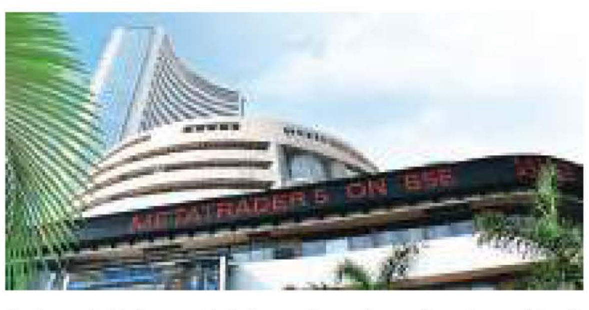

घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में मामूली खरीदारी होने के बाद बिकवालों ने बाजार पर अपना दबाव बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरते चले गए। हालांकि बाद में खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण इन दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होता हुआ नजर आने लगा। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से डिवीज लेबोरेट्रीज, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और नेस्ले के शेयर 3.15 प्रतिशत से लेकर 1.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर 1.50 प्रतिशत से लेकर 0.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,261 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी।

1,577 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 684 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 17 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से निगेटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में मामूली बढ़त नजर आ रही है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

लगातार आठ दिन तक तेजी दिखाने के बाद अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मुनाफा वसूली का शिकार हो गया, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए।

एसएंडपी 500 इंडेक्स पिछले सत्र के दौरान 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,597.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,816.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,871.74 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 1.01 प्रतिशत लुढ़क कर 8,273.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,485.73 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी में तेजी आई है। ये चमकीली धातु 1,200 रुपये की मजबूती के साथ कारोबार कर रही है। सोने के भाव में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,790 रुपये से लेकर 72,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 66,740 रुपये से लेकर 66,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने के विपरीत चांदी के भाव में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 87,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एससी–एसटी आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध

भारत बंद : बाजार में सन्नाटा, सड़कों पर लाठीचार्ज, चक्का जाम

बिहार, झारखंड, राजस्थान से लेकर ओडिशा तक दिखा बंद का असर

संवाददाता

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के अनुसूचित जाति (एससी) के आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के निर्णय के विरोध में दलित संगठनों की ओर से आज आहूत की गई एकदिवसीय भारत बंद का असर देश के कई राज्यों में देखने को मिला। बंद को कई राजनीतिक दलों का भी समर्थन मिला। भारत बंद का असर बिहार, झारखंड, राजस्थान जैसे कई राज्यों में देखने को मिला। कई संगठन इस फैसले के विरोध में सड़कों पर उतर आए।

पटना में लाठीचार्ज, आरा-दरभंगा और मधुबनी में ट्रेन रोककर प्रदर्शन

पटना में प्रदर्शनकारी महेंद्रू से डाकबंगला चौराहा पहुंचे, जहां पुलिस ने उन्हें आगे जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का प्रयोग किया। लेकिन, प्रदर्शनकारियों के नहीं मानने के बाद पुलिस को लाठीचार्ज करनी पड़ी। समस्तीपुर में बंद समर्थकों ने समस्तीपुर रेल मंडल के दरभंगा एवं मधुबनी समेत विभिन्न स्थानों पर रेल ट्रैक को जाम कर ट्रेनों का परिचालन बाधित किया। इधर आरक्षण बचाव संयुक्त संघर्ष मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने समस्तीपुर शहर के जिला समाहरणालय के पास मुख्य मार्ग को जाम किया, जिसके कारण समस्तीपुर-दरभंगा और समस्तीपुर-पटना मुख्य मार्ग पर घंटों यातायात बाधित रहा। समस्तीपुर जिला परिषद् के पूर्व सदस्य एवं वरिष्ठ दलित नेता संजय राम के नेतृत्व में जिले के पटोरी के चंदन चौक पर भी मुख्य मार्ग को जाम कर प्रदर्शन किया गया।

झारखंड में पूरा असर

राज्य में बंद का पूरा असर देखने को मिला। दुमका में भीम आर्मी, छात्र समन्वय समिति और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के कार्यकर्ताओं ने सड़क और दुकानों को बंद करवा दिया। शहर की फूलों झानो चौक पर ट्रकों को जाम कर दिया गया। राजधानी रांची में भारत बंद का मिला-जुला असर देखने को मिला। सुबह से सबकुछ सामान्य चल रहा था। दिन चढ़ने के साथ ही भीम आर्मी, भाकपा, माले, झामुमो, राजद, आदिवासी छात्र संघ, झारखंड स्टेट स्टूडेंट यूनियन के बैनर तले बंद समर्थक सड़कों पर उतरे और दुकान बंद करवाई और सड़क भी जाम किया। हरमू सहित कुछ जगहों पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया गया। इससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। लोगों को अपने कार्यस्थल पर जाने में परेशानी हुई। अन्य दिनों की तुलना में पब्लिक ट्रांसपोर्ट का परिचालन कम रहा।

आंध्र प्रदेश की फार्मा कंपनी में रिएक्टर फटा

14 कर्मचारियों की मौत और 50 से अधिक गंभीर घायल

हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है

संवाददाता

विशाखापट्टनम। अनाकापल्ली जिले के रामबिली मंडल में अच्युतपुरम फार्मा में बुधवार दोपहर बाद रिएक्टर में विस्फोट के बाद 14 कर्मचारियों की मौत हो गई है और 50 से अधिक अन्य घायल हो गए हैं। हादसे की गंभीरता को देखते हुए मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

अच्युतपुरम फार्मा एसईजेड में एसेंशिया एडवांस्ड साइंस प्राइवेट लिमिटेड में सैकड़ों कर्मचारी काम करते हैं। दोपहर भोजनावकाश के दौरान जोरदार विस्फोट होने के बाद आग लग गयी। घना धुआं उठने के बाद समझना मुश्किल हो रहा था कि क्या हो रहा है। फिर भी जान बचाने के डर से मजदूर बाहर भागे। तेज आवाज से आसपास के गांव के लोग सतर्क हो गए। फार्मा की दमकल समेत आसपास के इलाके से 11 अन्य गाड़ियां आईं और आग पर काबू पाया। घायलों को अनाकापल्ली के विभिन्न अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया।

घायलों में से पांच 60 फीसदी से ज्यादा जले हुए हैं। हादसे के वक्त इंडस्ट्री में करीब 300 कर्मचारी मौजूद थे। मजदूरों का कहना है कि रिएक्टर के धमाके से इंडस्ट्री की पहली मंजिल का स्लैब ढह गया और कई लोग मलबे में फंस गए। तीसरी मंजिल पर फंसे मजदूरों को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया।

कोलकाता : ट्रेनी डॉक्टर की हत्या के खिलाफ रैली में शामिल होंगे विवेक अग्निहोत्री

नई दिल्ली/एजेंसी। कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले को लेकर देशभर में गुस्सा है। इस घटना के बाद राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता सरकार एक बार फिर कठघरे में है। इस घिनौने कृत्य को लेकर लोग अपने-अपने तरीके देश भर में विरोध जता रहे हैं। अब इस मामले में बॉलीवुड के डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री का एक्स पर एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में उन्होंने कहा, कोलकाता में हुए इस कृत्य को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। देश का नागरिक होने के नाते हमारा फर्ज बनता है कि हम इस घटना को लेकर अपनी आवाज उठाएं। मैं कल कोलकाता में ऑन ड्यूटी डॉक्टर के साथ हुए इस क्रूर बलात्कार और हत्या के खिलाफ विरोध रैली में शामिल होऊंगा। मैं सभी नागरिकों से आग्रह करता हूं कि वे महिलाओं की सुरक्षा और जीवन के अधिकार की मांग में मेरे साथ शामिल हों।

संक्षिप्त समाचार

बसेड़ी में रैली निकाल कर उप जिला कलेक्टर सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान धौलपुर(रामदास तरुण)। बसेड़ी उपखंड में अनुसूचित/ जाति जनजाति के आरक्षण में क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कार्ट के फैसले के विरोध में बुधवार को भारत बंद के तहत बसेड़ी में लगभग बाजार बंद रहे। इस दौरान शहर के मैदान में संघर्ष समिति के लोग और पदाधिकारी एकत्रित हुए, और हजारों युवाओं के साथ शहर में रैली निकाली और राष्ट्रपति के नाम उप जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एसटी/एससी आरक्षण संबंधी संशोधन को दिए वक्तव्य के बाद मंगलवार को आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति द्वारा भारत बंद का आव्हान किया गया। ऐसे में शहर का अधिकांश बाजार कानून व्यवस्था खराब ना हो उसको लेकर सुबह से ही बंद रहा। ग्यारह बजे के करीब मैदान से संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों के साथ सैकड़ों युवा हाथों में तख्तियां लिए बाबा साहिब अम्बेडकर के नारे लगाते हुए, और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जुलूस के रूप में निकले और शहर के मुख्य बाजार में होते हुए, उपखंड कार्यालय पहुंचे, जहां उप जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया गया! और आरक्षण में छेड़ छाड़ को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी दी। आरक्षण बचाओं संघर्ष समिति के आ''ान पर बाजार बंद और विरोध प्रदर्शन में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए एसपी सुमित मेहरड़ा खुद मैदान में उतरे, पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा, अधिकारियों के साथ बाजार में गश्त करते रहे। इस कार्यक्रम के मौके पर रामवीर सिंह पूर्व सरपंच धोर्य वाले, रामप्रसाद रिटायर अध्यापक बसेड़ी, बाबूलाल मीणा, रामदयाल, भीकम सिंह, रामचरण, गजेंद्र सिंह, ताराचंद जगरिया, अंकुर गौतम, सत्यवीर गौतम, बबलू, श्री राम आदि हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे!

चाईनीज मांझे की चपेट से बाइक सवार युवक घायल

- उपजिला चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार किया जिला चिकित्सालय रैफर

चमकता राजस्थान। नदबई,(राजवीर सिंह) नगर मार्ग पर निजी विद्यालय के समीप नीचे लटक रहे चाईनीज मांझे की चपेट से बाइक सवार युवक घायल हो गया। घायल युवक को उपजिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार कर युवक को जिला चिकित्सालय रैफर किया।

विभागीय सूत्रों की मानें तो पथरोड़ा निवासी आजाद जाटव पुत्र लक्ष्मन सिंह जाटव अपनी बाइक से गांव जा रहा। इसी दौरान नदबई-नगर रोड़ पर निजी विद्यालय के समीप नीचे लटक रहे चाईनीज मांझे की चपेट में आने से घायल हो गया। समीपवर्ती लोगों ने घायल युवक को उपजिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। बाद में युवक की स्थिति देख चिकित्साकर्मियों ने प्राथमिक उपचार कर युवक के परिजनों को सूचना दी। वही, परिजनों के पहुंचने से पहले ही युवक की गर्दन पर टांके लगाते हुए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

श्री खाटू श्याम मंदिर कॉरिडोर के समग्र विकास के लिए उत्कृष्ट डीपीआर बनाए : उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर, 21 अगस्त। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए है कि बजट घोषणा की क्रियान्विति में श्री खाटू श्याम मंदिर कॉरिडोर विकास के लिए उत्कृष्ट डीपीआर बनाकर समग्र विकास की सोच के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र में जन सुविधाओं यथा सड़क, परिवहन, यात्रियों के ठहराव, दर्शनों में सुगमता, भीड़ नियंत्रण सहित विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर एक बेहतर कार्य योजना बनाई जाए ताकि श्री खाटू श्याम मंदिर कोरिडोर को एक मॉडल के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने बुधवार को सचिवालय में वित्त, सार्वजनिक निर्माण और पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने श्री खाटू श्याम जी मंदिर के आगामी विकास योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंनें प्रदेश के अन्य मंदिरों में भी श्रृद्धालु सुलभ सुविधाए विकसित करने एवं उन्हें पर्यटन केन्द्रों के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

बैठक में वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता, पर्यटन विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नदबई में भारत बंद का मिला जुला असर, एसडीएम को दिया ज्ञापन

भारत बंद के आहवान पर मुख्य बाजार में जगह-जगह पुलिस जाब्ता तैनात

चमकता राजस्थान

नदबई, (राजवीर सिंह)। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में भारत बंद का नदबई मुख्य बाजार में मिला जुला असर रहा। भीम आर्मी, जाटव समाज व बसपा पार्टी की ओर से रेलवे स्टेशन से अंबेडकर पॉर्क तक जुलूस निकाला। बाद में जाटव समाज अध्यक्ष भरतलाल बिहारिया व भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष सुमित अंबेश के नेतृत्व में ग्यारह सदस्यीय प्रतिनिधीमंडल ने दस सूत्रीय मांग को लेकर एसडीएम को ज्ञापन दिया। ज्ञापन के बाद मुख्य बाजार में दोपहर करीब 12 बजे के बाद दुकान खुलने लगी। बंद दौरान शांति व्यवस्था के लिए मुख्य बाजार में जगह-जगह पुलिस जाब्ता तैनात रहा। जबकि, एडीशनल एसपी रामकल्याण मीणा, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी डाँ वीरेन्द्र सिंह मीणा, एसडीएम गंगाधर मीणा, पुलिस सीओ पूनम भरगढ़, थाना प्रभारी दौलत साहू, तहसीलदार कैलाश गौतम भी निर्धारित प्वाइंट पर मौजूद रहते हुए बंद की पल-पल खबर लेते नजर आए।

"एक पेड माँ के नाम" अभियान के तहत अपेक्स बैंक में शासन सचिव, सहकारिता ने किया पौधारोपण

- पौधे अपनों के प्रति प्रेम और माँ के लिये आदर के प्रतीक

चमकता राजस्थान

जयपुर, 21 अगस्त। शासन सचिव, सहकारिता श्रीमती शुचि त्यागी ने ''एक पेड माँ के नाम'' राष्टीय अभियान के तहत बुधवार को टोंक रोड स्थित राजस्थान राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि पृथ्वी माँ को सुरक्षित रखने के लिये सभी एक पौधा अपनी माँ के नाम से अवशय लगायें। पौधे अपनों के प्रति प्रेम और माँ के लिये आदर के प्रतीक हैं।

शासन सचिव ने आह्वान किया कि राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण को संरक्षित करने के लिये चलाये जा रहे ''एक पेड माँ के नाम'' अभियान में सभी को बढ़-चढकर भाग लेना चाहिये और दूसरों को भी इसके लिये प्रोत्साहित करना करें। उन्होंने कहा कि हमारा दायित्व है कि हम जो पौधा लगायें उसकी कम से कम एक वर्ष तक सुरक्षा करें ताकि पौधा स्वयं पोषित होकर प्रकृति में स्वच्छ वायु का संचार कर सके। हमारी पीढ़ी की ओर से आने वाली पीढ़ी के लिये सुरक्षित और संरक्षित पर्यावरण सबसे अच्छी सौगात होगी और इसके लिये हम सभी को सतत एवं समावेशी प्रयासों की आवश्यकता है। इस मौके पर संजय पाठक, प्रबंध निदेशक अपेक्स बैंक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग भवन में स्नेह मिलन समारोह का आयोजन

हर संबंध की मर्यादाओं की रक्षा कर शुभभावनाओं का सूत्र बांधना हैः राजयोगनी चंद्रकला दीदी

ब्रह्मकुमारी बहनों ने जिले भर में बंदियों, पुलिस कर्मियों सहित गणमान्य नागरिकों को बांधा रक्षासूत्र

चमकता राजस्थान

टोंक। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शाखा टोंक द्वारा राजयोग भवन में रक्षाबंधन स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्थान के मीडिया प्रभाग की स्टेट कोऑर्डिनेटर एवं ब्रह्माकुमारीज के जयपुर वैशाली नगर सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी बीके चंद्रकला दीदी ने सभी को रक्षाबंधन पावन पर्व की बधाइयां देते हुए कहा रक्षाबंधन का त्योहार हम सबको स्नेह,प्रेम के साथ हृदय की भावनाओं को शुद्ध बनाने का संदेश देता है। वर्तमान समय मनुष्यों की विकृतियां व बुराइयों ने समाज को असुरक्षित बना दिया है, इसलिए आवशयकता है अपने मन को शुद्ध बनाकर हर बहन सुरक्षित रहे हर भाई सुरक्षित रहे मानव मात्र का कल्याण हो ऐसा दृढ़ संकल्प करना है। उन्होंने कहा कि आसुरी वृत्तियों व माया के जंजाल से मुक्त होने के लिए परमपिता परमात्मा से अपना नाता जोडे, जैसा बदलाव हम दूसरों में देखना चाहते हैं इसकी शुरुआत पहले स्वयं में करनी है। उन्होंने कहा कि हर संबंध की मर्यादाओं को रक्षित कर पवित्रता के सूत्र में बांधना ही सच्चा रक्षाबंधन मनाना है।

रक्षाबंधन पर्व के दौरान टोंक सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अपर्णा दीदी व ब्रह्माकुमारी ऋतु दीदी ने आरएसी बटालियन,पुलिस थाना कोतवाली, जिला कारागृह टोंक, पुलिस थाना पुरानी टोंक मैं जाकर पवित्रता की राखी बांधी। ब्रह्माकुमारी अनीता दीदी ने बनेठा थाना अधिकारी रामगिलास गुर्जर सहित पुलिस कर्मियों को राखी बांधकर परमात्म संदेश सुनाया। इसी तरह निवाई में ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी व ब्रह्माकुमारी सुनीता दीदी ने पुलिस थाना निवाई के सी. आई. हरिपाल वर्मा व सभी पुलिस कर्मियों को पवित्रता की राखी बांधी, वही दीदियों ने सदर थाना निवाई में पुलिस कर्मियों को रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए परमात्म स्नेह कि राखी बांधी।टोडारायसिंह में ब्रह्माकुमारी पूनम दीदी गणमान्य नागरिकों को राखी बांधी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929